Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 240
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

लखनऊ-रविवार,28 दिसम्बर 2025 लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

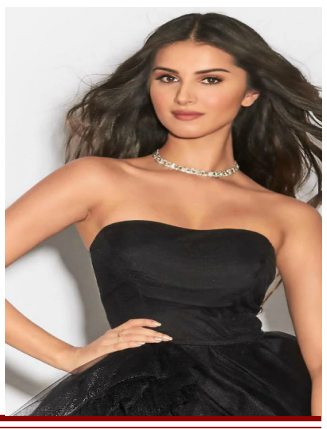

3 कर्मचारियों ने भरी हुंकार,20 जनवरी को घेरेंगे

4 दिमाग के लिए पढ़ना भी वैसा ही है, जैसा शरीर के लिए

5 स्टेज पर सिंगर ने तारा को किया किस, देखने लायक था बॉयफ्रेंड का

सीएम योगी बोले पुलिस की इमेज में हुआ है बड़ा बदलाव

अपराधियों के मन में बैठा भय; आम लोगों को मिली राहत

दो दिवसीय राज्यस्तरीय वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मेलन- 2025 पुलिस मंथन

यूपी पुलिस अपने कार्यों को उसी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ाती रहेगी

लखनऊ : सीएम योगी ने कहा कि आज यूपी पुलिस अपराधियों के लिए भय और आम नागरिकों के लिए विश्वास व सम्मान का भाव स्थापित कर रही है। पुलिस मुख्यालय में आयोजित दो दिवसीय राज्यस्तरीय वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मेलन-2025 पुलिस मंथन का शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुआ। मुख्यमंत्री योगी द्वारा अपने सम्बोधन में यूपी पुलिस के अब तक के कार्य, सुधार और उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि पिछले साढ़े आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने अपने परसेप्शन और कानून-व्यवस्था की छवि में उल्लेखनीय परिवर्तन किया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस के प्रयासों से उत्तर प्रदेश को आज देश-दुनिया में एक रोल मॉडल की तरह देखा जा रहा है और परिवर्तन की यह पहचान जनता के अनुभवों से सिद्ध होती है, न कि आत्मप्रशंसा से। इस दौरान उन्होंने स्मार्ट पुलिसिंग का विजन साझा करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि वर्ष 2017 से अब तक पुलिसिंग के हर स्तर पर व्यापक बदलाव हुए, भर्ती, प्रशिक्षण, अवसंरचना, तकनीक, साइबर सुरक्षा, फॉरेंसिक क्षमता, पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था, UP-112, सेफ सिटी मॉडल, महिला पुलिस भर्ती, और प्रीडिक्टिव पुलिसिंग की दिशा में निर्णायक प्रगति की गई है। पहले जहां प्रशिक्षण क्षमता सीमित थी, वहीं आज बड़े पैमाने पर 60,000 से अधिक आरक्षियों का प्रशिक्षण प्रदेश के अन्दर ही कराया जा रहा है। 75 जनपदों में साइबर थाने, 12 एफएसएल लैब और फॉरेंसिक यूनिवर्सिटी जैसे संस्थागत बदलाव प्रदेश की नई सोच को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि आज यूपी पुलिस अपराधियों के लिए भय और आम नागरिकों के लिए विश्वास व सम्मान का भाव स्थापित कर रही है। पुलिस की भूमिका अब केवल प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि प्रो-एक्टिव और प्रीडिक्टिव पुलिसिंग की ओर बढ़ चुकी है। उनके द्वारा बेस्ट प्रैक्टिसेस साझा करने, नवाचार अपनाने और समयबद्ध व बिंदुवार कार्य प्रस्तुत करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। अंत में मुख्यमंत्री योगी ने विश्वास व्यक्त किया कि यह दो दिवसीय पुलिस मंथन कार्यक्रम नीति, रणनीति और बेहतर क्रियान्वयन के जरिए समग्र पुलिसिंग को नई दिशा देगा और यूपी पुलिस अपने कार्यों को उसी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ाती रहेगी। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सम्मेलन में दो दिन उपस्थित रहकर मार्गदर्शन देने हेतु हृदय से आभार व्यक्त किया ।

अमित शाह गुवाहाटी की सुरक्षा को मजबूत करने वाली परियोजनाओं की शुरूआत करेंगे : हिमंत शर्मा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शहर की सुरक्षा मजबूत करने के लिए गुवाहाटी पुलिस आयुक्तालय के नए भवन और एकीकृत कमान एवं नियंत्रण प्रणाली (आईसीसीएस) का उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि शाह सोमवार को राज्य के दौरे में सोमवार को इन परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। शर्मा ने कहा कि आईसीसीएस के तहत गुवाहाटी में 2,000 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की निगरानी की जाएगी ताकि राज्य में सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्सश पर लिखा, गुवाहाटी की सुरक्षा को मजबूत करते हुए आदरणीय अमित शाह गुवाहाटी के नए पुलिस आयुक्तालय और एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र का 29 दिसंबर को उद्घाटन करेंगे। यह केंद्र सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 2,000 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की निगरानी करेगा।श्श शाह सोमवार को नगांव जिले में वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव की जन्मस्थली बटद्रवा थान भी जाएंगे, जहां वह आध्यात्मिक स्थल के पुनर्विकास संबंधी परियोजना का उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री ने पूर्व में कहा था कि राज्य सरकार ने इस स्थान की पवित्रता और गरिमा बहाल करने के लिए सभी प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा था, अतिक्रमण से मुक्त बटद्रवा थान अब इस बात का ज्वलंत उदाहरण है कि हमारी विरासत की रक्षा के लिए दृढ़ संकल्प क्या कर सकता है। शाह गुवाहाटी में 5,000 सीट की क्षमता वाले सभागार ज्योति विष्णु सांस्कृतिक परिसर का भी उद्घाटन करेंगे।

सार संक्षेप

दिल्ली की हवा फिर हुई जहरीली, कई इलाकों में एक्यूआई 400 पार

नईदिल्ली। राजधानी में प्रदूषण का प्रकोप एक बार फिर बढ़ गया है। ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के चौथे चरण की पाबंदियां हटने के मात्र तीन दिन बाद ही दिल्ली की वायु गुणवत्ता शनिवार को बहुत खराब श्रेणी में दर्ज की गई। सुबह सात बजे दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 353 तक पहुँच गया, जिससे प्रशासन और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चिंताएं बढ़ गई हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली के कई इलाकों में स्थिति गंभीर स्तर पर पहुँच गई है। विवेक विहार में एक्यूआई 424 और आनंद विहार में 410 दर्ज किया गया। इसके अलावा जहांगीरपुरी (417), नरेला (413), रोहिणी (409) और बवाना (404) जैसे क्षेत्रों में भी प्रदूषण का स्तर 400 के पार रहा।

महोबा पुलिस को मिला बड़ी सफलता, मुठभेड़ के बाद 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

महोबा। उत्तर प्रदेश में महोबा के सदर कोतवाली क्षेत्र में शनिवार को तड़के पुलिस और एसओजी टीम ने संयुक्त मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी अपराधी को दबोचने में सफलता प्राप्त की है। अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने यहां बताया कि लम्बे समय से फरार चल रहे अपराधी वारिश उर्फ लुच्ची डान के सम्बन्ध में मुखबिर से मिली जानकारी पर पुलिस ओर एसओजी की टीम ने राठ रोड पर उसकी घेराबंदी की। इस दौरान पुलिस के ललकारने पर अपराधी द्वारा अपने साथ लिए असलहे से फायरिंग शुरू कर दी। इसके जवाब में पुलिस टीम द्वारा की गयी गोलीबारी में पैर में गोली लग जाने के कारण वारिश गिर गया. जिसके उपरान्त पुलिस द्वारा उसे दबोच लिया गया। उन्होने बताया की वारिश के पास से 315 बोर का तमंचा व कारतूस, 95 हजार नकदी व 36 ग्राम पीली धातु बरामद की गयी है। जिले में अपराधियों की धरपकड़ के लिए पुलिस द्वारा इन दिनों चलाये जा रहे आपरेशन क्रेक डाउन अभियान में 25 हजार के इनामी इस अपराधी वारिश उर्फ लुच्ची डान की गिरफ्तारी बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वह काफी समय से फरार चल रहा था.उसके विरुद्ध महोबा कोतवाली में ही दस से अधिक गंभीर मुकदमे पंजीकृत है। पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह ने मुठभेड़ को अंजाम देने वाली पुलिस टीम की पीठ थपथपाते हुये इनाम की घोषणा की है।

बिहार चुनाव में हार के बाद पहली बार साथ आए सभी नेता

प्रधानमंत्री कार्यालय ने मनरेगा खत्म करने का फैसला कैबिनेट से बिना पूछे किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री कार्यालय ने मनरेगा खत्म करने का फैसला कैबिनेट से बिना पूछे कियारू राहुल नयी दिल्ली, 27 दिसंबर (भाषा) कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को खत्म करने का फैसला सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय ने किया और ऐसा करते समय कैबिनेट एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से विचार-विमर्श नहीं किया गया। गांधी ने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, मनरेगा सिर्फ एक योजना नहीं थी, बल्कि यह अधिकार आधारित परिकल्पना थी। योजना को खत्म करना इस परिकल्पना पर आक्रमण है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का कदम देश के संघीय ढांचे कर हमला और सत्ता एवं वित्तीय व्यवस्था का केंद्रीकरण है। राहुल गांधी ने कहा, मंत्री (शिवराज) और कैबिनेट से बिना पूछे यह निर्णय लिया गया है और सीधा प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा यह निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा, वन मैन शो चल रहा है, मोदी जो चाहते हैं वही करते हैं। संसद ने विपक्ष के हंगामे के बीच बीते 18 दिसंबर को विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025 को मंजूरी थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की संतुति के बाद अब यह अधिनियम बन चुका है। यह 20 साल पुराने मनरेगा की जगह लेगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी की कार्य समिति की बैठक में कहा कि मोदी सरकार ने मनरेगा को समाप्त कर करोड़ों गरीबों और कमजोर तबके के लोगों को बेसहारा कर दिया है, गरीबों के पेट पर लात मारने के साथ उनकी पीठ में मोदी सरकार ने छुरा घोंपा है। इसके साथ ही बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों ने पूरे देश को चिंता व्यक्त की है और इस हमले की कड़ी निंदा की। कांग्रेस का आरोप है कि विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम के माध्यम से मनरेगा को खत्म किया गया है और योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाया जाना राष्ट्रपिता का अपमान है। पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बीते 20 दिसंबर को कहा था कि मोदी सरकार ने मनरेगा पर बुलडोजर चला दिया है और करोड़ों किसानों, श्रमिकों एवं भूमिहीन ग्रामीण वर्ग के गरीबों के हितों पर हमला किया है। उन्होंने यह भी कहा था कि पार्टी नए काले कानून के खिलाफ लड़ाई को प्रतिबद्ध है। संसद से जी राम जी विधेयक पारित होने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया था कि मनरेगा का सिर्फ नाम नहीं बदला जा रहा है, बल्कि इस योजना की योजनाबद्ध हत्या की जा रही है तथा विदेशी धरती पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा महात्मा गांधी की प्रतिमाओं पर फूल चढ़ाना सिर्फ दिखावा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा था कि जी राम जी अधिनियम प्रदेशों एवं गांवों के खिलाफ है तथा इसे वापस लेने के लिए सरकार को विवश करने के मकसद से एक राष्ट्रव्यापी मोर्चा बनाया जाएगा। संसद ने विपक्ष के हंगामे के बीच बीते 18 दिसंबर को विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025 को मंजूरी थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की संतुति के बाद अब यह अधिनियम बन चुका है। यह 20 साल पुराने मनरेगा की जगह लेगा।

महाराष्ट्र में बंधक बनाए गए थे प्रतापगढ़ के 53 मजदूर, पुलिस ने किया रेस्क्यू

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने महाराष्ट्र के शोलापुर जिले मे बंधक बनाये गये राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के आदिवासी समुदाय के तेरह महिलाओं सहित 53 लोगों को छुड़ाकर लाया गया है। प्रतापगढ़ जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य ने शुक्रवार देर रात प्रतापगढ़ में मीडिया को यह जानकारी दी। आदित्य ने बताया कि गत 22 दिसंबर को सूचना मिली थी कि जिला प्रतापगढ़ के घण्टाली, पीपलखूँट, पारसोला थाना क्षैत्र के ग्राम वरदा, जामली, मालिया, गोठड़ा, उमरिया पाड़ा, बड़ा काली घाटी, ठेसला एवं कुमारी तथा अन्य गांवों के महिला एवं पुरूष जिनको मजदुरी के लिये महाराष्ट्र के शोलापुर जिले के पुलिस थाना अकलूज क्षैत्र के जाबुड़गांव मे मजदुरी के लिये स्थानीय व्यक्ति की मदद से करीब दो महीने पूर्व ले जाया गया था। उन्होंने बताया कि मजदूरी के लिए गये व्यक्तियों ने कुछ समय बाद अपने परिजनों से जरिये फोन वार्ता करते हुए बताया कि उनके साथ मजदुरी के लिये लेकर जाने वाले दलाल सीताराम पाटिल (महाराष्ट्र) व अलवर राजस्थान के खान नामक व्यक्ति एक स्थानीय व्यक्ति ने प्लानिंग बना कर इन्दौर मध्यप्रदेश मे प्रति व्यक्ति 500 रुपए मजदुरी दिलाने व खाना व रहना फ्री होने का झांसा देकर करीब 100 लोगों को महाराष्ट्र के शोलापुर जिले के अकलूज थाना क्षैत्र मे जाबुड़ गांव लेकर गये। जहां पर तीनों व्यक्तियों ने योजना बनाकर सभी को अलग - अलग जमीदारों के पास गन्ने के खेतों मे मजदुरी के लिये रख दिया। अलवर राजस्थान के दलाल खान नामक व्यक्ति ने महाराष्ट्र के जमीदारों से मजदुरों की मजदुरी के साढ़ेनौ लाख रुपए एडवांस लेकर अलवर आ गया। इसी प्रकार महाराष्ट्र दलाल सीताराम पाटिल ने भी जमीदारों से 18 लाख रुपए एडवांस मजदूरी के तौर पर ले लिये। बाद में जमीदारों के द्वारा मजदुरी के लिए गये व्यक्तियों के द्वारा अपनी मजदुरी के रुपए मांगने पर दलाल सीताराम पाटिल एवं अन्य जमीदारों के द्वारा मजदूरों पर अत्याचार शुरू कर दिया एवं गन्ने के फार्महाउस पर बने मकान एवं बाड़ें मे बंधक बनाकर जबरन काम कराया जाने लगा।

दिग्विजय सिंह की पोस्ट से मचा बवाल

पीएम मोदी की दरी पर बैठी फोटो की शेयर

नई दिल्ली। कांग्रेस कार्यसमिति की यहां शनिवार की बैठक से ठीक पहले पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जन संघ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना करती सोशल मीडिया पर प्रेषित एक टिप्पणी चर्चा का केन्द्र बन गयी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और संघ के कटु आलोचकों में गिने जाने वाले दिग्विजय सिंह ने श्एक्सश पर एक पुरानी फोटो पोस्ट की, जिसमें वर्तमान प्रधानमंत्री और तबके संघ के एक कार्यकर्ता नरेन्द्र मोदी भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी के पैरों के पास जमीन (दरी) पर बैठे हैं सिंह ने इस फोटो के साथ लिखा, ष्फोरा साइट पर मुझे यह चित्र मिला। बहुत ही प्रभावशाली है। किस प्रकार आरएसएस का जमीनी स्वयंसेवक एवं जनसंघ/बीजेपी4इंडिया का कार्यकर्ता नेताओं की चरणों में फर्श पर बैठकर प्रदेश का मुख्यमंत्री एवं देश का प्रधानमंत्री बना। यह संघटन की शक्ति है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री रह चुके दिग्विजय सिंह ने इस पोस्ट के नीचे लिखा, जय सिया राम। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह फोटो 14 मार्च 1995 को गांधीनगर में भाजपा के श्री केशूभाई पटेल के मुख्यमंत्री पद के शपथ ग्रहण समारोह की है। दिग्विजय सिंह ने बाद में कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाताओं के सवालों की बौछार के बीच कहा, ष्मैंने आरएसएस और मोदी की तारीफ नहीं की है। मैंने संगठन की बात की है। मैं आरएसएस और मोदी का घोर विरोधी हूं। जो कुछ कहना था, मैंने कह दिया।

ओडिशा में बंगाली मजदूर की हत्या पर भड़कीं ममता

पूछा- क्या बंगाली बोलना अपराध है?

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा शासित राज्यों में बंगाली भाषी लोगों के साथ हो रहे कथित अत्याचारों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाली बोलने वाले प्रवासी मजदूरों और उनके परिवारों पर हो रहे हमलों और परेशानियों की वह निंदा करती हैं। साथ ही, ममता सरकार दबे-कुचले, डरे-सहमे और परेशान बंगाली भाषी प्रवासी परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। सीएम ममता बनर्जी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ष्हम भाजपा शासित हर राज्य में बंगाली बोलने वाले लोगों पर हुए क्रूर अत्याचार और परेशानी की कड़ी निंदा करते हैं। हम दबे-कुचले, डरे-सहमे और परेशान बंगाली बोलने वाले प्रवासी परिवारों के साथ खड़े हैं, हम उन परिवारों को हर मुमकिन मदद देंगे। इंसान की जान की कोई कीमत नहीं होती, लेकिन अगर मौत होती है, तो हमने पैसे का मुआवजा देने का वादा किया है। ओडिशा में हुई हालिया घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हाल ही में भाजपा शासित राज्य ओडिशा में जंगीपुर इलाके के कुछ प्रवासी मजदूरों पर कई तरह के अत्याचार हुए हैं। यह बहुत दुख की बात है कि 24 दिसंबर को जंगीपुर के सुती इलाके के एक युवा प्रवासी मजदूर की

संबलपुर में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मुर्शिदाबाद में प्रवासी मजदूर डर के मारे ओडिशा से घर लौट रहे हैं। इस दिल दहला देने वाली घटना में, हम पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं, और मृतक के परिवार को हमारी तरफ से आर्थिक मदद भी उन तक पहुंचेगी।सीएम ममता ने एक्स पोस्ट में आगे लिखा, भाजपा शासित राज्यों में हुई इन सभी घटनाओं में हम दोषियों की निंदा करते हैं और पीड़ितों को हर मुमकिन मदद का वादा करते हैं। बंगाली बोलना कोई जुर्म नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल पुलिस ने ज्वेल राणा की मौत के मामले में सुती पुलिस स्टेशन में पहले ही जीरो fir दर्ज कर ली है और 6 लोगों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया है। मेरी राज्य पुलिस टीम जांच के लिए ओडिशा गई है।

आगामी विधानसभा चुनाव में डीएमके जीत हासिल कर सत्ता में वापसी करेगी : एमके स्टालिन

तिरुवनमलाई। तमिलनाडुकेमुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को विश्वास जताया कि उनकी पार्टी, द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (डीएमके), आगामी विधानसभा चुनाव में जीत हासिल कर सत्ता में वापसी करेगी। उन्होंने सरकार के कल्याणकारी शासन और राज्य भर में विकास पहलों का हवाला दिया। तिरुवन्नामलाई जिले के मलपामबाड़ी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए और कल्याणकारी सहायता वितरित करते हुए स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु के लोगों ने डीएमके की समावेशी नीतियों में बार-बार अपना विश्वास दिखाया है।उन्होंने कहा, आप सभी को देखकर मुझे नई ऊर्जा मिली है। तिरुवन्नामलाई एक विशेष स्थान है। इसने डीएमके को उसका पहला सांसद दिया। यह इतिहास हमारे संकल्प को और मजबूत करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महज चार वर्षों में उनकी सरकार ने कई ऐसी योजनाएं लागू की हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने कहा, हमने आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित किया है, विशेषकर महिलाओं के लिए। हमारी पहलों के माध्यम से महिलाओं को मासिक वित्तीय सहायता मिलती है, और 13 लाख से अधिक महिलाएं हमारी योजनाओं से सीधे लाभान्वित होती हैं।

सीडब्ल्यूसी की बैठक में बोले खरगे

मोदी सरकार ने गरीबों के पीठ में छुरा घोंपा, मनरेगा पर खड़ा करना होगा जनांदोलन

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के स्थान पर विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम बनाए जाने को लेकर शनिवार को मोदी सरकार पर गरीबों के पीठ में छुरा घोंपने का आरोप लगाया और कहा कि इस विषय पर राष्ट्रव्यापी जनांदोलन खड़ा करना होगा। उन्होंने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक को संबोधित करते हुए बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमलों की निंदा की और कहा कि इससे पूरा भारत चिंतित है। खरगे ने कांग्रेस नेताओं से आगामी विधानसभा चुनावों के लिए कमर कसने का आह्वान किया और यह भी कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित करने की एक सोची समझी साजिश है तथा ऐसे में यह सुनिश्चित करना होगा कि कांग्रेस के मतदाताओं के नाम न काटे जाएं खरगे ने बैठक में कहा, हम आज ऐसे मौके पर विचार और भविष्य की रणनीति बनाने के लिए एकत्र हुए हैं, जब देश में लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के अधिकारों पर चारों तरफ गंभीर संकट छाया है। उन्होंने आरोप लगाया, हाल में संसद के शीतकालीन सत्र में मोदी सरकार ने मनरेगा को समाप्त कर करोड़ों गरीबों और कमजोर तबके के लोगों को बेसहारा कर दिया है। गरीबों के पेट पर लात मारने के साथ उनकी पीठ में मोदी सरकार ने छुरा घोंपा है। मोदी सरकार ने काम के अधिकार पर सुनियोजित और क्रूर हमला किया है। खरगे ने कहा कि मोदी सरकार को गरीबों की चिंता नहीं, बल्कि चंद बड़े पूंजीपतियों के मुनाफे की ही चिंता है। उनका कहना था कि मनरेगा संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार का ऐसा दूरदर्शी कदम था, जिसे पूरे विश्व ने सराहा। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, इस योजना ने ग्रामीण भारत का चेहरा बदला। यह विश्व का सबसे बड़ा ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम बना। इससे पलायन रुका, गांवों को अकाल, भूख, और शोषण से मुक्ति मिली। इस योजना ने दलितों, आदिवासियों, महिलाओं और भूमिहीन मजदूरों को भरोसा दिया कि गरीबी से जंग में सरकार उनके साथ खड़ी है। खरगे ने दावा किया कि मोदी सरकार ने बिना किसी अध्ययन या मूल्यांकन के, राज्यों से या राजनीतिक दलों से सलाह-मशविरा के बिना इसे खत्म करके नया कानून थोप दिया। उन्होंने कहा कि यह सारा काम तीन काले कृषि कानूनों जैसा किया गया।

मंत्र भारत

पूर्वांचल

लखनऊ-रविवार,28 दिसम्बर 2025

कड़ाके की ठंड में साधु-संतों को कंबल वितरण, भंडारे का आयोजन

सिद्धार्थनगर जिले के शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत गजहड़ा निवासी समाजसेवी व व्यापारी ताराचन्द्र साहनी द्वारा कड़ाके की ठंड को देखते हुए साधु-संतों को ठंड से राहत दिलाने के उद्देश्य से

अपने निजी आवास पर कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके साथ ही भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।इस अवसर पर ताराचन्द्र साहनी ने कहा कि इस भीषण ठंड में जरूरतमंद साधु-संतों को कंबल उपलब्ध कराना एक पुण्य का कार्य है। समाज के सक्षम लोगों को आगे आकर ऐसे सेवा कार्यों में सहयोग करना चाहिए, ताकि जरूरतमंदों को राहत मिल सके।कार्यक्रम के दौरान श्याम प्यारे, ताराचन्द्र साहनी, मनोज कुमार साहनी, प्रदीप कुमार साहनी,अमित साहनी,उदयराज साहनी,कृष्ण कुमार साहनी,आयुष,अभिनव, अर्पित,अंकुर सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

उच्चरक्तचाप से ग्रस्त लोग ठंड में सुबह न टहलें - डॉ जी एस तोमर

गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन झूँसी सेक्टर की बैठक हुई सम्पन्नःठंड से बचाव के आयुर्वेदिक नुस्खे बताए गए,ग्रुप और सेक्टर व्यवस्था को मजबूत बनाने पर दिया गया जोर। आज पेंशनर्स के झूँसी सेक्टर की बैठक संजीवनी सेवालय में डॉ जी एस तोमर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।डॉ तोमर ने वृद्धा अवस्था में ठंड से बचाव के लिए आयुर्वेदिक नुख्सों और कुछ आसान योग के बारे में पेंशनर्स को बताया।पूर्व मण्डलायुक्त आर एस वर्मा ने पेंशनर्स को ग्रुप और सेक्टर व्यवस्था को मजबूत बनाने और आपस मे छोटे छोटे ग्रुप की बैठक नियमित रूप से कर, आपसी सहयोग और एक दूसरे के सुख दुख में साथ खड़े होने की सलाह दी।यह भी कहा पहले हम अपनी जो समस्याए आपसी सहयोग से हल कर सकते उसे करे।आगे की समस्याओं के लिए एसोसिएशन भरपूर प्रयास कर रहा है।आज तीन नए सदस्य बने जिनका स्वागत किया गया। पांच सदस्यों का जन्मदिन दिसंबर में होने पर और 3 सदस्यो को 80 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर सम्मानित किया गया।बैठक में पूर्व कमिश्नर वी के सिंह,डॉ सुधा प्रकाश,और डॉ वी के श्रीवास्तव और डॉ परशुराम मौर्य ने भी अपने बहुमूल्य विचार रखे।कार्यक्रम का सफल संचालन झूसी सेक्टर प्रभारी आर डी कुशवाहा ने किया। डॉ अरबिंद श्रीवास्तवा और अशोक कुमार ने सुंदर कविता सुनाई।इसके अतिरिक्त प्रमुख रूप से आर डी प्रसाद,देवी दयाल,जी डी यादव, पी आर मौर्य,आदि बड़ी संख्या में पेंशनर्स उपस्तित रहे।

मेजबान पूर्वोत्तर रेलवे एवं पश्चिम रेलवे के मध्य खेले गये मैच के दृश्य

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) के तत्त्वावधान में 24 से 28 दिसम्बर, 2025 तक सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में

आयोजित 73वीं अखिल भारतीय रेलवे (पुरुष) कबड्डी चैम्पियनशिप-2025 के चौथे दिन 27 दिसम्बर, 2025 को हुए क्वाटर फाइनल मैच में मेजबान पूर्वोत्तर रेलवे ने पश्चिम रेलवे को 36-18 से शिकस्त देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पूर्वोत्तर रेलवे के कप्तान सुनील कुमार तथा प्रवेश, रोहित, आकाश, आशीष एवं सुरेन्द्र चैम्पियनशिप में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दर्शकों को रोमांचित कर रहे हैं। क्वाटर फाइनल का अन्य मैच मध्य रेलवे एवं उत्तर रेलवे के बीच खेला गया, जिसमें मध्य रेलवे ने उत्तर रेलवे को 46-34 अंको से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। देर सायं तक क्वाटर फाइनल का अन्य मैच इंटीग्रल कोच फैक्ट्री एवं रेल व्हील फैक्ट्री तथा दक्षिण मध्य रेलवे एवं दक्षिण पूर्व रेलवे के बीच खेला जा रहा था। ज्ञातव्य है कि इस चैम्पियनशिप में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित तथा राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के अनेक कबड्डी खिलाड़ी विभिन्न क्षेत्रीय रेलों एवं उत्पादन इकाइयों की टीमों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, साथ ही चीन में हुये एशियन खेलों में पूर्वोत्तर रेलवे के सुनील एवं प्रवेश, उत्तर रेलवे के नितिन रावल तथा दक्षिण पूर्व रेलवे के नितेश प्रतिभाग कर चुके हैं। इस कबड्डी प्रतियोगिता को देखने हेतु भारी संख्या में कबड्डी प्रेमी एवं खिलाड़ी सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर रहे हैं। इस प्रतियोगिता का फाइनल मैच 28 दिसम्बर, 2025 को खेला जायेगा। इस अवसर पर महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर विजेता एव उपजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत करेंगे।

परिवारिक विवाद को पुलिस ने सुलझाकर दोनों परिवारों को बिछने से बचाया

सिद्धार्थनगर जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन क्रम मे एवं प्रशान्त कुमार प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल पर्यवेक्षण व विश्वजीत शौरयान क्षेत्राधिकारी सदर के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक हरे कृष्ण उपाध्याय थाना उसका बाजार के नेतृत्व में आवेदिका शारदा पत्नी धर्मेंद्र ग्राम बरदाहा थाना उसका बाजार उपस्थित थाना आकर प्रार्थना पत्र दिया गया कि आवेदिका शारदा व पति धर्मेंद्र गुप्ता ग्राम वरदहा के बीच कुछ कहा-सुनी हुआ था जिससे पति पत्नी के मध्य मनमुटाव हो गया था उक्त प्रार्थना पत्र को मिशन शक्ति मय टीम के प्रभारी उ0नि0 हरे कृष्ण उपाध्याय मय मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत थाना उसका बाजार मिशन शक्ति टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आवेदिका शारदा पत्नी धर्मेंद्र गुप्ता को महिला हेल्प डेस्क में महिला आरक्षी कालिंदी यादव की मौजूदगी मे दोनो पक्षो (पति-पत्नी) को बैठा कर समझाया-बुझाया गया । जिसमे दोनो पक्ष (पति-पत्नी) राजी-खुशी से साथ रहने के लिये तैयार हो गये । अब कोई विवाद नही है । दोनो पति-पत्नी को सकुशल एक साथ राजी-खुशी उनके घर उप निरीक्षक जयप्रकाश पांडे, जयप्रकाश उपाध्याय,मुख्य आ?क्षी अनिल चौहान, रामकिशन यादव महिला आरक्षी कालिंदी यादव की टीम ने बरदाहा भेजा। उक्त पुलिस कार्यवाही की आम जनमानस द्वारा सरहाना की गयी ।

भारतीय रेलवे की अगले 5 वर्षों में प्रमुख शहरों में रेल गाड़ियों की संचालन क्षमता दोगुनी करने की योजना

प्रमुख शहरों में कोचिंग टर्मिनलों का विस्तार यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने, भीड़भाड़ कम करने और राष्ट्रव्यापी संपर्क सुविधा में सुधार लाने के लिए किया जाएगा: रेल मंत्री

नई दिल्ली। यात्रा की मांग में लगातार हो रही तीव्र वृद्धि को देखते हुए, अगले 5 वर्षों में प्रमुख शहरों की नई रेल गाड़ियों के संचालन की क्षमता को वर्तमान स्तर से दोगुना करना आवश्यक है। आगामी वर्षों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वर्तमान बुनियादी ढांचे को मजबूत करना होगा। वर्ष 2030 तक संचालन क्षमता को दोगुना करने के लिए निम्नलिखित कार्य शामिल होंगे:

. मौजूदा टर्मिनलों को अतिरिक्त प्लेटफॉर्म, स्टेबलिंग लाइन, पिट लाइन और पर्याप्त शंटिंग सुविधाओं से सुसज्जित करना।

. शहरी क्षेत्र में और उसके आसपास नए टर्मिनलों की पहचान और निर्माण करना।

. मेगा कोचिंग कॉम्प्लेक्स सहित रखरखाव सुविधाएं।

५. विभिन्न स्थानों पर रेल गाड़ियों की बढ़ती संख्या की व्यवस्था करने के लिए यातायात सुविधा कार्यों, सिग्नलिंग उन्नयन और मल्टीट्रैकिंग के माध्यम से अनुभागीय क्षमता में वृद्धि करना।

उत्तर रेलवे के 10 रेलवे स्टेशन को भी इन्फ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड के लिए चिह्नित किया गया है। उत्तर रेलवे के चिह्नित दस स्टेशन निम्न हैं:

दिल्ली
लखनऊ
वाराणसी
अयोध्या
चंडीगढ़
लुधियाना
अमृतसर
जम्मू
हरिद्वार
बरेली

क्षमता को वर्ष 2030 तक दोगुना करने की योजना है, लेकिन यह आशा है कि अगले 5 वर्षों में क्षमता में क्रमिक वृद्धि की जाएगी ताकि क्षमता वृद्धि के लाभ तुरंत प्राप्त किए जा सकें। इससे आने वाले वर्षों में यातायात की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने में सहायता मिलेगी। योजना में कार्यों को तीन श्रेणियों, अर्थात तत्काल, अल्पकालिक और दीर्घकालिक में वर्गीकृत किया जाएगा।

नई दिल्ली स्टेशन के रीडेवलपमेंट काम का प्लान इस प्रकार है:

मौजूदा स्टेशन बिल्डिंग को गिराकर प्लेटफॉर्म नंबर 01 और 16 के पास दो स्टेशन बिल्डिंग बनाई जाएंगी।

नई स्टेशन बिल्डिंग का एरिया मौजूदा 17274 वर्ग मीटर बिल्ट-अप एरिया के मुकाबले लगभग 109000 वर्ग मीटर होगा। अभी

रोजाना चार लाख यात्रियों को संभाला जाता है। नए स्टेशन को रोजाना सात लाख यात्रियों को संभालने के लिए डिजाइन किया गया है। इन बिल्डिंगों में* *उचित* *होल्डिंग एरिया, एलिवेटेड रोड से स्टेशन बिल्डिंग तक यात्रियों के आने-जाने के लिए एप्रन एरिया भी शामिल होंगे। इन बिल्डिंगों में पार्किंग* *की सुविधा होगी। शहर के ट्रैफिक और मेट्रो के विभिन्न तरीकों के साथ इंटीग्रेशन की योजना बनाई गई है।

वर्तमान में जम्मूतवी स्टेशन में अपग्रेड कार्य प्रगति पर हैं जिसमें अतिरिक्त पिट लाइन, 4 अतिरिक्त प्लेटफॉर्म, 7 अतिरिक्त स्टेबलिंग लाइन का निर्माण किया जा रहा हैं। इससे ज्यादा ट्रेन संचालन संभव होगा। ट्रेनों की गति में भी इजाफा होगा और ट्रेन मेंटिनेंस भी बेहतर होगी।

बरेली जंक्शन पर भी यार्ड रिमॉडलिंग प्रस्तावित हैं। यार्ड रिमॉडलिंग के पश्चात, यह स्टेशन 24 कोच वाली ट्रेन का परिचालन आसानी से कर सकेगा। इसके अलावा, सिक लाइन, पिट लाइन का विस्तार होगा। इन कार्यों से ज्यादा ट्रेनों का संचालन किया जा सकेगा, साथ ही ट्रेन मेंटिनेंस का कार्य और बेहतर होगा। केंद्रीय रेल मंत्री, सूचना एवं प्रसारण मंत्री और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, हहम यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए विभिन्न शहरों में कोचिंग टर्मिनलों का विस्तार कर रहे हैं और अनुभागीय एवं परिचालन क्षमताओं को बढ़ा रहे हैं। इस कदम से हमारे रेलवे नेटवर्क का उन्नयन होगा और राष्ट्रव्यापी संपर्क सुविधा में सुधार होगा।

चौदह वर्ष पुरानी रंजिश में पिता-पुत्र की गई जान

हत्याकांड के दो मुख्य आरोपी गिरफ्तार

एलिया/सीतापुर। इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के मजरा मातिनपुरवा के फत्तेपुर गांव में शुक्रवार की देर रात को हुये पिता-पुत्र के दोहरे हत्याकांड से गांव में पसरा सन्नाटा। मिली जानकारी के अनुसार खीरी के मितौली निवासी छोटे खाँ उर्फ अख्तर अपने पुत्र मैसर खां इमलिया सुल्तानपुर के फत्तेपुर/मातिनपुरवा में अपनी पैतृक संपत्ति को देखने आए थे। गुरुवार को किसी बात को लेकर इनका विवाद गांव के ही रामू उर्फ उत्तम से हो जाता है। उक्त मामलें में कार्यवाही करते हुये पुलिस ने दोनों पक्ष का शांतिभंग में चालान करके जेल भेज दिया था। शुक्रवार को छोटे उर्फ अख्तर और उसका बेटा मैसर खाँ और रामू उर्फ उत्तम एसडीएम कोर्ट से जमानत कराने के बाद गांव लौट रहे थे। गांव के बाहर बने पंचायत भवन के पास पहुँचते ही दोनों पक्षो में पुनः विवाद शुरू हो गया। विवाद में दोनों पिता-पुत्र को अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। वहीं घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पिता पुत्र को जिला अस्पताल भिजवाया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान छोटे खां उर्फ अख्तर (65) और उसके पुत्र मैसर खां (35) के रूप में हुई। दोहरे हत्याकांड मामले में एएसपी दक्षिणी दुर्गेश सिंह ने बताया-गांव फतेपुर मातिनपुरवा में दो व्यक्तियों की गोली मारकर हत्या की गई। शुरूआती जांच में सामने आया कि किसी भारी वस्तु से सिर पर मारा गया है। गोली मारी गई। पुरानी रंजिश में इस वारदात को अंजाम दिया गया है। सूचना पर पुलिस टीम पहुंची थी। घटनास्थल पर फोरेंसिक टीम ने जांच की है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम बनाई गई है। जल्द ही उनकी गिरफ्तारी होगी। पिता पुत्र की हत्या की वजह बनी दोनों पक्षो में वर्षों पुरानी रंजिश* ? दरअसल हरगांव इलाके में वर्ष 2011 में रामू के पिता ठाकुर प्रसाद की हत्या कर दी गई थी। मामले में मैसर खां, रूबी और अख्तर खां को आरोपी बनाया गया था। इसी रंजिश में साल 2020 में ठाकुर प्रसाद के बेटे संतोष की भी हत्या कर दी गई थी। संतोष हत्याकांड में भी अख्तर खां, मैसर खां और रामस्वरूप को आरोपी बनाया गया था। पुलिस की जांच में सामने आया कि दोनों हत्याएं आपसी रंजिश और बदले की भावना का नतीजा थीं।

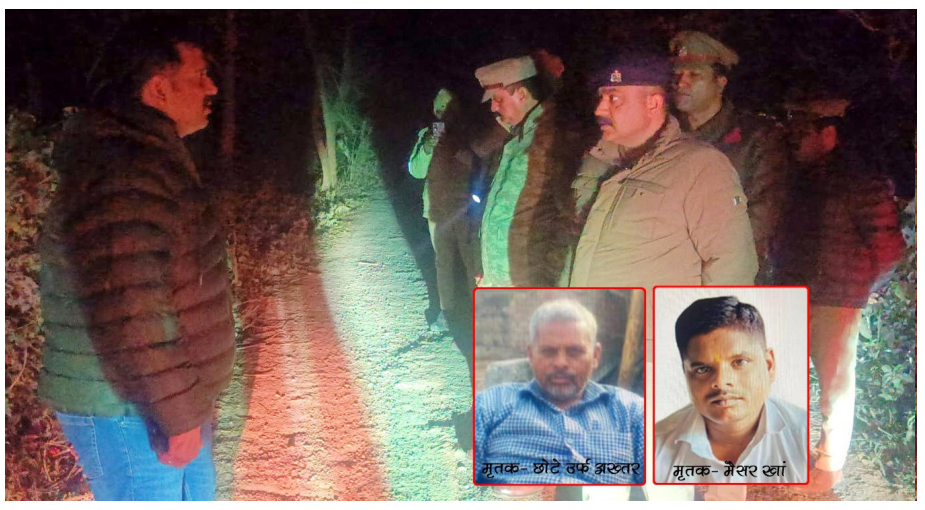

महिला जगरूकता साइबर अपराध नए कानून के बारे में चौपाल लगाकर किया गया जागरूक

सिद्धार्थनगरः जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बांसी रोहिणी यादव तथा प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार मौर्या द्वारा मय मिशन शक्ति के साथ महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत थानाक्षेत्र के असनार ग्राम में (नई दिशा महिला समिति) की महिलाओ को चौपाल लगाकर मिशन शक्ति के तहत सरकार के विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे मे जानकारी दिया गया व जागरूक किया गया जैसे कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया । मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम के अंतर्गत बहु सम्मेलन आयोजित किया गया तथा उनके अधिकार के बारे में बताया गया व उनको जागरूक किया गया जानकारी देते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबर-112, पुलिस आपातकालीन सेवा1090, वूमेन पावर हेल्पलाइन 1076, माननीय मुख्यमंत्री हेल्पलाइन108, एंबुलेंस सेवा 1930, साइबर अपराध हेल्पलाइन 181 वीमेन हेल्पलाइन 101अग्निशमन सेवा के बारे में जानकारी दी गई व जागरूक किया गया तथा एंटी रोमियो चेकिंग के दौरान चौराहे पर अनावश्यक रूप से घूमने वाले 05 शोहदो/मंचलो का माफीनामा व 10वाहन व 15 व्यक्ति चेक कर हिदायत मुनासिब किया गया।

नहरों में पानी न आने से डीएम ने जताई नाराजगी

सिद्धार्थनगर जिले के जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा बर्डपुर चैनपुर नोनहवा नहर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि 02 दिन में नहरों में पानी आ जायेगा। जिलाधिकारी ने कहा है कि यदि किसी भी नहर में पानी नही आ रहा है तो जिलाधिकारी के सीयूजी नम्बर 9454417530 पर शिकायत दर्ज करा सकता है। किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नही होना चाहिए। किसानों के इस समय गेहूं की फसल सिंचाई करने के लिए तैयार हैं कई माइनर नहर है पानी नहीं आ रहा है। तारों में पानी न आने से डीएम ने जताई नराजगी, जिम्मेदारों को नहरों में पानी छोड़ने का दिया निर्देश।

पुलिस ने ग्राम प्रहरीगण के साथ की गोष्ठी, ठंड से बचने के लिए बांटे कंबल

सिद्धार्थनगर जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन व रोहिनी यादव क्षेत्राधिकारी बाँसी के नेतृत्व में अनूप कुमार मिश्रा थानाध्यक्ष थाना खेसरहा की उपस्थिति मे ग्राम प्रहरीगण की गोष्ठी

कर मौसम के दृष्टिगत रात्रि गस्त हेतु आवश्यक दिशा निर्देश देते हुये कम्बल वितरण किया गया । सीओ द्वारा बताया गया कि ग्राम चौकीदार पुलिस की प्रथम कड़ी है इनके पास गांव की गतिविधि की जानकारी रहती है जिसकी खबर थाने तक पहुंचाने का कार्य इनके द्वारा किया जाता है इनके द्वारा पुलिस को सूचनाऐ प्राप्त होती रहती है। प्रत्येक मौसम मे, रात्रि में किसी भी चौकीदार को किसी भी प्रकार की दिक्कत न आए वे लगातार क्षेत्र में भ्रमण करते रहें इसलिए कम्बल प्रदान किया गया है । श्रीमान क्षेत्राधिकारी महोदय द्वारा चौकीदारों को निर्देशित किया गया कि क्षेत्र में जो भी सूचना हो उसे तत्काल पुलिस को दें तथा मौसम के दृष्टिगत रात्रि गस्त करने के आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया ताकि चोरी जैसी कोई अप्रिय घटना न घटित हो सके और शांति व्यवस्था बनी रहे।

ग्राम प्रहरीगण के साथ गोष्ठी और कड़ाके की ठंड से बचने के लिए कंबल वितरण किया किया गया

सिद्धार्थनगर जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में प्रशान्त कुमार प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक के

निर्देशन में मंयक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ द्वारा आगामी त्यौहार व थानाक्षेत्र में शान्ति-व्यवस्था के दृष्टिगत थानाध्यक्ष ढ़ेबरुआ नारायन लाल श्रीवास्तव के साथ थानाक्षेत्र के ग्राम प्रहरीगण के साथ गोष्ठी की गयी तथा सभी चौकीदार नियमित रूप से रात्रि गश्त करेंगे । संदिग्ध व्यक्ति/वाहन दिखने पर तुरंत थाना/112 को सूचना देंगे । बाहरी व्यक्तियों के गांव/मोहल्ले में ठहरने की जानकारी देंगे । चोरी, झगड़ा, अवैध शराब, जुआ, नशा जैसी गतिविधियों की सूचना समय से देंगे । साइबर फ्रॉड से लोगों को जागरूक करेंगे एवं घटना होने पर तुरंत सूचना दिलवाएंगे । महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़े मामलों में तत्काल सूचना देंगे । किसी भी आपात स्थिति में पुलिस का पूरा सहयोग करेंगे । ग्राम प्रहरीगण से क्षेत्र की छोटी-बड़ी घटनाओं की जानकारी प्राप्त करने और सूचनाओं को तत्काल आदान प्रदान करने के उद्देश्य से गोष्ठी की गई जिसमें ग्राम प्रहरीयों को वरिष्ठ अधिकारियों से प्राप्त आदेश-निदेर्शों को उनको अवगत कराया गया ।

'यह वाकई खास है', ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक चौथा एशेज टेस्ट जीतने पर बोले बेन स्टोक्स

मेलबर्न : इंग्लैंड ने मेलबर्न में खेले गए चौथे एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराकर 14 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट जीत दर्ज की। कप्तान बेन स्टोक्स ने इसे खास जीत बताया और टीम के जज्बे के साथ जोश टंग व जैकब बेथेल के शानदार प्रदर्शन की जमकर सराहना की। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेले गए चौथे एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड की जीत को वाकई बेहद खास बताया। शनिवार को इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराकर ऑस्ट्रेलिया की धरती पर 14 साल से चला आ रहा टेस्ट जीत का सूखा खत्म किया। तीन लगातार टेस्ट हारने और टीम की तैयारी व नूसा में हुए मिड-सीरीज ब्रेक को लेकर उठे सवालों के बाद यह जीत इंग्लैंड के लिए जबरदस्त वापसी साबित हुई। मैच जीतकर खुश हुए स्टोक्स मैच के बाद स्टोक्स ने कहा, 'यह पूरी टीम की एक बहुत बड़ी कोशिश रही है।'

कर्मचारियों ने भरी हुंकार,20 जनवरी को घेरेंगे विधानसभा

लखनऊ,(संवाददाता)। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने कहा कि सरकार कर्मचारियों की समस्याओं की लगातार अनदेखी कर रही है। मुख्य सचिव एवं प्रमुख सचिव कार्मिक एवं विभागों के अधिकारी कर्मचारियों की समस्याओं पर सकारात्मक निर्णय लेने के लिए वार्ता तक नहीं कर रहे हैं।संयुक्त परिषद ने अगस्त में प्रदेश के मुख्य सचिव को कर्मचारियों की समस्याओं से अवगत कराते हुए 3 सितंबर तक वार्ता के माध्यम से समस्याओं का निराकरण करने की मांग किया था, परंतु शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारी कर्मचारियों की मांगों पर लगातार मौन साधे हुए हैं। कर्मचारी संगठन एवं शासन के बीच संवाद हीनता आंदोलन का कारण है। सरकार ने आउटसोर्स कर्मचारी निगम का गठन कर दिया, लेकिन आउटसोर्स कर्मचारियों को न्यूनतम मानदेय का लाभ अभी तक नहीं मिल रहा है। विभागों में लाखों पद रिक्त पड़े हुए हैं, परंतु उन पर नियुक्तियां नहीं हो रही हैं। सरकार ठेकेदारी प्रथा एवं संविदा कर्मचारियों के भरोसे पूरा सिस्टम चलाने का प्रयास कर रही है। संविदा कर्मियों एवं ठेकेदारी प्रथा के अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों का शोषण चरम पर है। संविदा कर्मियों को मनमाने तरीके से बाहर किया जा रहा है।नगरीय परिवहन सेवाओं में कार्यरत हजारों कर्मचारियों से सरकार रोजगार छीन चुकी है, जबकि सबका साथ सबका विकास का नारा देने वाली सरकार ने इस संदर्भ में परिषद द्वारा भेजे गए दर्जनों पत्रों का संज्ञान तक नहीं लिया है। समाज कल्याण एवं जनजाति विकास विभाग में विगत दो वर्षों में दो दर्जन से अधिक संविदा शिक्षक नौकरी से हटाए जा चुके हैं। यही स्थिति अन्य विभागों की भी है। कर्मचारियों की वेतन विसंगति पर मुख्य सचिव समिति निर्णय नहीं कर रही है। संविदा कर्मियों के मानदेय में विगत कई वर्षों से कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। पंचायती राज विभाग में कार्यरत सफाई कर्मचारियों की सेवा नियमावली बनाई जाने, 2001 के बाद संविदा, वर्क चार्ज एवं दैनिक वेतन पर कार्यरत कर्मचारी-शिक्षकों का विनियमितीकरण किए जाने, सरकारी प्रतिष्ठानों का निजीकरण रोके जाने, सहित संयुक्त परिषद की 5 सूत्रीय मांगों पर मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षण करने के लिए संयुक्त परिषद 3 सितंबर से विभिन्न चरणों में आंदोलन कर रही है।संयुक्त परिषद शासन एवं कर्मचारियों के बीच सद्भाव का वातावरण बनाकर कार्य करना चाहती है, परंतु प्रशासनिक अधिकारियों के साथ संवाद हीनता के कारण 20 जनवरी को विधान सभा पर प्रदर्शन का कार्यक्रम अपरिहार्य हो गया है। संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जेएन तिवारी ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप का अनुरोध किया है।

भाजपाई एसआईआर ने अपने खोदे गड्ढे में भाजपा को ही गिरा दिया हैः अखिलेश

लखनऊ। ब्राह्मण विधायकों की बैठक और एसआईआर के मुद्दे को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी पर हमला बोला है। सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर अखिलेश यादव ने लिखा, उप्र भाजपा में मचे आपसी घमासान का कारण ऊपरी तौर पर भले कोई ह्यविधेयी बैठकह्न हो पर असल कारण ये है कि भाजपाई विधायकों के बीच ये समाचार पहले ही प्रसारित हो चुका है कि एसआईआर में 2.89 करोड़ वोटरों के नाम कट गये हैं। इससे आगे उन्होंने लिखा, बकौल ह्यएक वर्ग-शेषह्न उप्र के मुख्यमंत्री जी इसमें से 85-90: उनके अपने वोटर कटे हैं। इसका राजनीतिक गणितीय विश्लेषण है, 28900000 का अगर केवल 85: भी मान लिया जाए तो ये आँकड़ा होगा लगभग 24565000। अब इस आँकड़े को उप्र की कुल 403 सीट से भाग दे दिया जाए तो ये आँकड़ा लगभग 61,000 वोट प्रति सीट आएगा। ऐसे में ये निष्कर्ष निकलता है कि भारतीय जनता पार्टी उप्र की हर एक सीट पर आनुपातिक रूप से 61000 वोट कम पाएगी। ऐसे में वो सरकार क्या बनाएगी, दहाई का अंक भी पार नहीं कर पायेगी। इसीलिए आपसी लड़ाई अब एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप व टोका-टोकी व खुलेआम नोटिस के रूप में सामने आ रही है। सपा प्रमुख ने कहा, भाजपाई विधायक अलग-अलग बैठकें करके ये दिखा रहे हैं कि भाजपा सरकार, भाजपा संगठन व भाजपा के संगी साथी कोई भी उनकी नहीं सुन रहे हैं इसीलिए उनके कोई काम नहीं हो रहे हैं। ऐसे में जब चुनाव के पूर्व उनके कामों के आधार पर उनके मूल्यांकन का सर्वे करवाया जाएगा तो वो फेल हो जाएंगे। यही वो बुनियादी कारण है कि वो सब इकट्ठे होकर अपनी सफाई देने में जुट गये हैं। भाजपा में चंद गिने-चुने लोगों के महाभ्रष्टाचार में से इन ह्यअसंतुष्टी से विद्रोह के स्तर तकह्न पहुँचे लोगों के हिस्से बदनामी की छींटों के सिवा कुछ हाथ नहीं लगा है। भाजपाई एसआईआर ने अपने खोदे गड्ढे में भाजपा को ही गिरा दिया है। अब पीडीए सरकार बनाएगा, भाजपा का पीड़ा-राज मिटाएगा, सबके हिस्से तरक्की-खुशहाली लाएगा।

ताजा खबर...

उप मुख्यमंत्री का फरमान, ग्रामीण सड़क अभिकरण के कार्यों में लाये तेजी

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उत्तर प्रदेश ग्रामीण सड़क अभिकरण अंतर्गत संचालित विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए समयबद्धता के साथ कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। ग्रामीण सड़कों का निर्माण और उनका अनुरक्षण प्रदेश के ग्रामीण विकास की रीढ़ है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। श्री मौर्य ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सहित अन्य योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को गुणवत्ता मानकों का पूर्ण पालन करते हुए निर्धारित समयसीमा में पूरा किया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, किसानों, श्रमिकों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिले। उन्होंने कार्यों की प्रगति में आ रही बाधाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समस्याओं का त्वरित समाधान के निर्देश दिए। निर्माण कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखते हुए नियमित निरीक्षण किया जाए तथा दोषी ठेकेदारों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। अधिकतम सड़कों का निर्माण एवं मरम्मत कार्य पूर्ण कर लिया जाए ताकि ग्रामीण जनता को असुविधा न हो। केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुँचे, यही डबल इंजन सरकार का संकल्प है।

जयंत चौधरी युवाओं, किसानों एवं छात्रों की सशक्त आवाजः रालोद

लखनऊ,(संवाददाता)। केंद्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के जन्मदिन के अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल छात्रसभा द्वारा हनुमान सेतु मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रसभा के प्रदेश अध्यक्ष अमन पाण्डेय एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने जयंत चौधरी की दीघार्यु, उत्तम स्वास्थ्य एवं सफल राजनीतिक जीवन की कामना करते हुए विधिवत पूजा-अर्चना की।पूजा-अर्चना के उपरांत हनुमान सेतु परिसर में एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं आमजन ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे का आयोजन पूरी श्रद्धा, अनुशासन एवं सामाजिक सौहार्द के साथ संपन्न हुआ, जिसकी स्थानीय लोगों द्वारा भूरी-भूरी सराहना की गई।इस अवसर पर प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने बताया कि केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी का जीवन संघर्ष, सिद्धांत और जनसेवा को समर्पित है। वे सदैव युवाओं, किसानों एवं छात्रों के हितों के लिए समर्पित भाव से कार्य करते रहे हैं और उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय लोकदल सामाजिक न्याय एवं समावेशी विकास के संकल्प को निरंतर आगे बढ़ा रहा है।जयंत चौधरी युवाओं, किसानों एवं छात्रों की सशक्त आवाज हैं। उनके विचारों और नेतृत्व से प्रेरित होकर रालोद छात्रसभा निरंतर सामाजिक एवं जनसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती रहेगी।

बंद गाड़ियों से होगा कचरा ढुलाई,भारतेंदु हरिश्चंद्र वार्ड में पीसीटीएस का महापौर ने किया उद्घाटन

लखनऊ,(संवाददाता)। महापौर सुषमा खर्कवाल ने शनिवार को अलीगंज सेक्टर-एल में पोर्टेबल कॉम्पैक्टर ट्रांसफर स्टेशन (पीसीटीएस) का उद्घाटन किया।इससे खुले में कचरा नहीं फेंका जाएगा। दुर्गंध की समस्या से राहत मिलेगी। महापौर ने ने स्वच्छता में साथ देने की अपील की है। भारतेंदु हरिश्चंद्र वार्ड के यादव लोहा भंडार परिसर में बने इस स्टेशन के शुभारंभ पर पार्षद मान सिंह यादव, नगर आयुक्त गौरव कुमार भी मौजूद रहे। महापौर ने कहा कि आधुनिक तकनीक से शहर को स्वच्छ-सुंदर बनाया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से कचरा नगर निगम के गाड़ियों को ही देने की अपील की है। साथ ही शहर को साफ सुथरा बनाए रखने के लिए लोगों को प्रेरित किया। नगर आयुक्त ने बताया कि लखनऊ स्वच्छता अभियान प्रालि को 5 जोनों में कूड़ा कलेक्शन और साफ सफाई का काम सौंपा गया है। इसमें डोर-टू-डोर संग्रहण, सड़क सफाई और पीसीटीएस शामिल। शहर में कुल 32 साइटें बनेंगी। पहले चरण की 8 और दूसरे की 24। अब तक 21 साइटें शुरू हो चुकी हैं। बाकी मार्च 2026 तक तैयार होगी। इसके बनने से बंद गाड़ी में कचरे की ढुलाई होगी। इस पीसीटीएस में 2 हाइड्रोलिक कॉम्पैक्टर (20 घन मीटर प्रत्येक) लगे हैं। हाइवा वाहन और भारत बेंज ट्रक से कचरा पहुंचेगा प्रोसेसिंग यूनिट तक। इससे खुले कचरा, बिखराव रुकेगा और निस्तारण तेज होगा।

किसान के घर लाखों की चोरी,पीछा करने पर 2 राउंड फायरिंग की

लखनऊ,(संवाददाता)। बीकेटी थाना क्षेत्र के रैथा गांव में किसान के घर चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। देर रात परिवार के सोने की तैयारी कर रहा था, तभी घर के भीतर संदिग्ध आवाजों से हड़कंप मच गया। चोर घर में घुसकर लाखों रुपए के जेवरात और नकदी समेट ले गए। वारदात के बाद गांव में दहशत का माहौल है, जबकि पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। रैथा गांव निवासी किसान रामू सिंह के घर शुक्रवार और शनिवार की दरम्यानी रात करीब 1.30 से 2 बजे के बीच चोर छत के रास्ते दाखिल हुए। चोर सीधे उस कमरे तक पहुंचे, जहां परिवार का कीमती सामान रखा हुआ था। कमरे का ताला तोड़कर उन्होंने अलमारियों में रखे जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया।रामू सिंह ने बताया कि जब वे परिवार के साथ सोने जा रहे थे, तभी एक कमरे से खटपट की आवाज सुनाई दी। दरवाजा खोलने का प्रयास किया गया, लेकिन सभी कमरों के गेट बाहर से बंद पाए गए। उन्होंने अपने दोनों बेटों अनुराग सिंह और निरंतर सिंह को आवाज दी, लेकिन उनके कमरे भी बाहर से बंद थे। स्थिति गंभीर देख रामू सिंह ने घर में दूध देने वाले राजाराम को फोन कर बुलाया। राजाराम ने गेट खोला। इसके बाद परिवार और ग्रामीणों ने चोरों का पीछा किया। खुद को घिरता देख चोरों ने पीछा कर रहे लोगों पर दो राउंड फायरिंग कर दी और मौके से फरार हो गए।

हाउस टैक्स कलेक्शन की रफ्तार धीमी,रविवार को खुलेंगे कार्यालय

लखनऊ,(संवाददाता)। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लक्ष्य पूरे करने के लिए नगर निगम ने हाउस टैक्स कलेक्शन की रफ्तार बढ़ा दी है। दिसंबर के आखिरी दिनों में वसूली धीमी रहने पर नगर आयुक्त ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। अब रविवार 28 दिसंबर को भी नगर निगम के सभी जोनल कार्यालय और कैश काउंटर खुले रहेंगे, ताकि लोग बिना दिक्कत अपना गृहकर जमा कर सकें। रविवार को जोनल कार्यालय सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक खुले रहेंगे। इस दौरान कर निर्धारण, फीडिंग और गृहकर से जुड़े अन्य कार्य किए जाएंगे। नगर आयुक्त ने सभी जोनल अधिकारियों को अधिक से अधिक वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। समीक्षा बैठक में यह पाया गया कि कई जोनों में पिछली बार की तुलना में दिसंबर की वसूली कम रही है। इस पर नगर आयुक्त गौरव कुमार ने कहा कि बकायेदार भवन स्वामियों से सीधे संपर्क किया जाए।

पुलिस मंथन 2025 की शुरूआत, सीएम योगी को दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां पुलिस मुख्यालय में दो दिवसीय ह्यपुलिस मंथन 2025 की शुरूआत की और इस अवसर पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उत्तर प्रदेश पुलिस ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच ह्यएक्स पर पोस्ट कर कहा, ह्यह्यपुलिस मुख्यालय, लखनऊ में ह्यपुलिस मंथन 2025 की शुरूआत-सुरक्षा, रणनीति और सुशासन का संकल्प। पुलिस ने एक अन्य पोस्ट में कहा, ह्यह्यपुलिस मुख्यालय, लखनऊ में आयोजित ह्यपुलिस मंथन 2025 के अवसर पर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शुभ आगमन पर उन्हें परंपरागत गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। इसने कहा, ह्यह्यकार्यक्रम के दौरान पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण और अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) पीएसी रामकृष्ण स्वर्णकार ने मुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में 27 और 28 दिसंबर को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का यह दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया है। जिसमें साइबर अपराध, मानव तस्करी, सोशल मीडिया से जुड़े मुद्दों सहित कानून-व्यवस्था से संबंधित विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा की जाएगी। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने पत्रकारों से कहा, इस सम्मेलन का उद्देश्य जन-केंद्रित पुलिस व्यवस्था को और सुदृढ़ करना, प्रौद्योगिकी आधारित आधुनिक पुलिस प्रणाली विकसित करना तथा अपराध और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दोनों दिन सम्मेलन में उपस्थित रहेंगे।

नए साल की शुरूआत पर होम क्रेडिट इंडिया ने पेश की पहली एआई जनरेटेड फिल्म

लखनऊ,(संवाददाता)। अग्रणी कंज्यूमर फाइनेंस कंपनी, होम क्रेडिट इंडिया ने आज अपने पहले एआई आधारित कैंपेन रुसपनों का नया साल को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह कैंपेन उनके ब्रांड विचार रुजिंदगी हिट! का ही एक विस्तार है। यह होम क्रेडिट इंडिया के लिए नवाचार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसे ए आर एम वर्ल्ड वाइड के साथ मिलकर एक सिनेमैटिक फिल्म के रूप में विकसित किया गया है, जो बीते हुए साल की यादों को समेटते हुए आशाओं से भरे भविष्य का स्वागत करती है। यह फिल्म ब्रांड को एक टेक-फॉरवर्ड और भरोसेमंद साथी के रूप में पेश करती है, जो देश भर के ग्राहकों की विविध आकांक्षाओं को कभी भी और कहीं भी पूरा करने के लिए तैयार है। यह नया कैंपेन होम क्रेडिट इंडिया के सोशल मीडिया चौनलों जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और लिंक्डइन सहित सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाइव हो गया है। रुसपनों का नया साल कैंपेन बीते साल की हर छोटी-बड़ी उपलब्धि को स्वीकार करते हुए कृतज्ञता की भावना को प्रोत्साहित करता है। साथ ही, यह ग्राहकों को आसान और सुलभ क्रेडिट समाधानों के माध्यम से उनके नए साल के संकल्पों को वास्तविकता में बदलने के लिए सशक्त बनाता है। कैंपेन की कथावस्तु वीडियो की शुरूआत नए साल के आगमन के आखिरी कुछ मिनटों से होती है, जिसमें सपनों और जिम्मेदारियों के बीच के आम मानवीय पलों को दशार्या गया है। इसमें रवि है, जो एक युवा डिलीवरी एक्जीक्यूटिव है और अपने खराब होते स्कूटर से परेशान हैय गौरव एक महत्वाकांक्षी उद्यमी है जो फंड की कमी के कारण पीछे रुका हुआ हैय आरव टूटे हुए फोन के साथ रोजमर्रा की दिक्कतों का सामना कर रहा हैय और प्रीति, जो एक कैफे मालकिन है और अपने पुराने कैफे के नवीनीकरण का सपना देख रही है। जैसे ही घड़ी में बारह बजते हैं, होम क्रेडिट से मिलने वाली लोन अप्रूवल की पिंग (नोटिफिकेशन) एक दूसरे से जुड़ी इन कहानियों में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होती है। यह उनकी तात्कालिक जरूरतों और दीर्घकालिक आकांक्षाओं, दोनों को पूरा करती है। एक तेज रफ्तार मोंटाज के जरिए रुके हुए पल नई शुरूआत में बदल जाते हैंकृ रवि को नया स्कूटर मिलता है, गौरव अपना व्यवसाय शुरू करता है, आरव अपना फोन अपग्रेड करता है और प्रीति अपने कैफे का कायाकल्प करती है। कहानी उम्मीद के एक साझा पल के साथ समाप्त होती है, जो यह साबित करती है कि सही सहयोग के साथ हर संकल्प को पूरा करना संभव है। नये साल के कैंपेन पर बात करते हुए, होम क्रेडिट इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, आशीष तिवारी ने कहा, ष्एक और साल के बीतने के साथ, हम नवाचार, कृतज्ञता और ढेर सारी उम्मीदों के साथ नए साल में कदम रख रहे हैं। रुसपनों का नया साल के माध्यम से, हम होम क्रेडिट इंडिया को एक ऐसे उत्प्रेरक के रूप में पेश करना चाहते हैं जो साल के अंत की कृतज्ञता और नए साल के संकल्पों को हकीकत में बदल देता है। इन कहानियों को बताने के लिए एआई का उपयोग करके, हम अपने ग्राहकों की आधुनिक और डिजिटल-फर्स्ट यात्रा को दशार्ते हैं। हमारे सरल और ग्राहक-अनुकूल फाइनेंस विकल्प यह सुनिश्चित करते हैं कि संकल्प पूरे किए जाएंकृचाहे वह पुराने फोन को बदलना हो, किसी जगह का नवीनीकरण करना हो, सपनों का व्यवसाय शुरू करना हो या दोपहिया वाहन खरीदना हो। वित्तीय सहायता से परे, हमारा ध्यान हर उस ग्राहक में गर्व और आत्मविश्वास जगाने पर है जिसकी हम सेवा करते हैं, और एक भरोसेमंद वित्तीय भागीदार के रूप में उनके साथ चलते हुए हर रुसपनों का नया साल बनाना है।

रुसपनों का नया साल के साथ, होम

भूमि से उद्योग तक यूपी टॉप

योगी के विजन पर निवेशकों का भरोसा मजबूत

लखनऊ,(संवाददाता)। सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी ने देश के औद्योगिक मानचित्र पर मजबूती के साथ अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। इसकी झलक औद्योगिक भूमि के उपयोग के आंकड़ों में दिखाई देती है। कई प्रमुख राज्यों में औद्योगिक पार्कों की बड़े क्षेत्रफल में भूमि आज भी निष्क्रिय पड़ी है, वहीं उत्तर प्रदेश में उपलब्ध कराई गई औद्योगिक भूमि का अधिकांश हिस्सा उद्योगों के लिए उपयोग हो चुका है। 286 औद्योगिक पार्क विकसित किए जा चुके हैं। इन क्षेत्रों में औद्योगिक गतिविधियों की सक्रियता स्पष्ट करती है कि निवेश प्रस्ताव केवल फाइलों तक सीमित नहीं रहे। देश और विदेश के निवेशक उत्तर प्रदेश को एक भरोसेमंद और परिणाम देने वाले औद्योगिक गंतव्य के रूप में देख रहे हैं। उद्योग जगत के विशेषज्ञ एसके आहूजा का कहना है कि उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश के बड़े औद्योगिक पावरहाउस के रूप में उभर रहा है।उत्तर प्रदेश में 286 विकसित औद्योगिक पार्कों का कुल क्षेत्रफल 33,327 हेक्टेयर है। इनमें लगभग पूरी औद्योगिक भूमि पर उद्योग या तो स्थापित हो चुके हैं या स्थापना की प्रक्रिया में हैं। जहाँ उत्पादन गतिविधियों को बल मिल रहा है और वहीं बड़ी संख्या में रोजगार के अवसरों का भी सृजन हो रहा है। यदि देश के अन्य राज्यों की स्थिति पर दृष्टिपात किया जाए तो अंतर स्पष्ट दिखाई देता है। जैसे कि तेलंगाना में 157 औद्योगिक पार्कों में 30,749 हेक्टेयर भूमि आज भी निवेश के लिए उपलब्ध है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने औद्योगिक नीति को स्पष्ट दिशा प्रदान करने का काम किया है। सरकार का फोकस केवल भूमि आवंटन पर ही नहीं वरन उद्योगों को सुरक्षित और अनुकूल वातावरण देने पर भी रहा है। कानून-व्यवस्था में सुधार, प्रशासनिक प्रक्रियाओं का सरलीकरण और बुनियादी ढांचे का तेज विस्तार इस नीति के मुख्य स्तंभ बने। एक्सप्रेस-वे, एयरपोर्ट और बेहतर कनेक्टिविटी ने उद्योगों के संचालन को आसान बनाया जिससे निवेशकों का भरोसा और मजबूत हुआ है।एक जनपद, एक उत्पाद ओडीओपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, मेडिकल डिवाइस पार्क, फार्मा पार्क, टेक्सटाइल हब जैसी योजनाओं ने औद्योगिक विकास को केवल कुछ शहरों तक सीमित नहीं रहने दिया। पूर्वांचल, बुंदेलखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी उद्योग स्थापित हुए हैं। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़े हैं और क्षेत्रीय असमानता में कमी आई है। राष्ट्रीय औद्योगिक परिदृश्य में उत्तर प्रदेश आज ठोस परिणामों के साथ अग्रणी प्रदेश के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार अब उद्योगों को गति देने के लिए ह्यप्लग एंड प्लेह्न मॉडल पर विशेष जोर दे रही है। इसके अंतर्गत निवेशकों को पहले दिन से ही तैयार अवसंरचना मिलेगी। यही मॉडल उत्तर प्रदेश को औद्योगिक मामले में अन्य राज्यों से आगे लेकर जाएगी।

बिजनौर में प्री मैरिटल कम्युनिकेशन सेंटर शुरू,राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ने किया उद्घाटन

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी के बिजनौर में राष्ट्रीय महिला आयोग का प्री मैरिटल कम्युनिकेशन सेंटर शुरू हो गया। शनिवार को राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान ने सेंटर का उद्घाटन किया। अब लोग शादी से पहले यहां आकर वैवाहिक जीवन से जुड़ी परामर्श ले सकेंगे। सेंटर सरवननगर स्थित राम विहार कॉलोनी में बना है। इसका उद्घाटन कार्यक्रम आधारशिला संस्थान में रखा गया। बबीता चौहान ने फीता काटकर सेंटर की शुरूआत कर दी। उन्होंने कहा कि विवाह से पहले परामर्श लेना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। आयोग अध्यक्ष ने कहा कि प्री मैरिटल काउंसलिंग के माध्यम से युवाओं को वैवाहिक जीवन की जिम्मेदारियों, आपसी समझ, संवाद और समर्पण का महत्व समझाया जा सकता है। इससे भविष्य में होने वाले विवादों और टूटते रिश्तों को काफी हद तक रोका जा सकेगा। उन्होंने इस पहल को समाज के लिए अत्यंत उपयोगी और दूरदर्शी बताया। कार्यक्रम में आधारशिला संस्थान के अध्यक्ष गोस्वामी शशांक भारती ने संस्थान की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह केंद्र युवाओं को विवाह से पहले मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक रूप से तैयार करने का कार्य करेगा। इस दौरान काउंसलर आकांक्षा, अमित, प्रखर, सतेंद्र और आकाश ने भी अपने विचार साझा किए।

बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों का प्रदेश व्यापी विरोध प्रदर्शन

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन के खिलाफ बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों के संगठन ने प्रदेश व्यापी विरोध प्रदर्शन किया है। संगठन का आरोप है कि कॉरपोरेशन प्रबंधन अपने ही पूर्व जारी आदेशों का उल्लंघन कर रहा है, जिससे 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्रों के परिचालन और अनुरक्षण कार्य में तैनात लगभग 15 हजार आउटसोर्स कर्मचारियों का भविष्य खतरे में पड़ गया है। संगठन ने आरोप लगाया है कि प्रबंधन ने 15 मई 2017 के आदेशों का उल्लंघन करते हुए कर्मचारियों की छंटनी की है। इसके साथ ही, मानक समिति की रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराई गई और 18 सितंबर 2025 के आदेश के अनुसार कार्य के अनुरूप अनुबंध भी नहीं किया गया। कर्मचारियों के लिए 18,000 का न्यूनतम वेतन भी निर्धारित नहीं किया गया है। मार्च 2023 में हटाए गए कर्मचारियों को अब तक कार्य पर वापस नहीं लिया गया है। संगठन ने घायल कर्मचारियों को कैशलेस इलाज की सुविधा न मिलने, उपचार पर खर्च की गई राशि का भुगतान संविदाकारों के बिल से न किए जाने का भी विरोध किया। इसके अलावा, 55 वर्ष की आयु का हवाला देकर अनुभवी कर्मचारियों को हटाने का भी विरोध किया जा रहा है। बैठक में कई बिंदुओं पर सहमति बनी थी। इसमें 15 मई 2025 के आदेशों का उल्लंघन कर किसी भी कर्मचारी को न हटाना, 55 वर्ष के आधार पर हटाए गए कर्मचारियों को रिक्त पदों पर समायोजित करना और वर्टिकल व्यवस्था लागू होने पर भी किसी कर्मचारी की छंटनी न करना शामिल था। ऊर्जा मंत्री के निर्देश पर 18 सितंबर 2025 के आदेश का पालन करते हुए मार्च 2023 में हटाए गए कर्मचारियों को पुनः कार्य पर रखने पर भी सहमति बनी थी। इसके साथ ही, घायल कर्मचारियों के इलाज पर खर्च की गई राशि की जांच कर भुगतान करने और मीटर रीडरों को न्यूनतम वेतन से कम भुगतान की जांच करने पर भी सहमति बनी थी।हालांकि, संगठन का आरोप है कि 29 नवंबर 2025 को जारी किया गया कार्यवृत्त (मिनट्स), 26 नवंबर की बैठक में बनी सहमति के अनुरूप नहीं है।

संदिग्ध परिस्थितियों में कैटर्स की मौत,दोस्त के साथ नेपाल घूमने गया

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के कृष्णानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत विक्रमनगर पुल के नीचे संदिग्ध परिस्थितियों में एक कैटर्स का शव मिला। मृतक 21 दिसंबर को अपने दोस्त के साथ नेपाल घूमने गया था। 30 दिसंबर को लौटकर आना था, लेकिन 5 दिन पहले ही 26 दिसंबर को उनका शव मिला। परिजन का आरोप है कि मृतक के पास से एक बैग और पर्स गायब हैं। साथ में गए दोस्त का कोई पता नहीं चल रहा है। मृतक की पहचान पारा निवासी करण गुप्ता (49) के रूप में हुई। वह इलाके में कैटरिंग का काम करते हैं। उनके दो बेटे आयुष और ईशू हैं। वहीं, पत्नी रीना गुप्ता कई दिनों से मायके में हैं। करण अपने दोस्त अनुज के साथ 21 दिसंबर को नेपाल घूमने गए थे। भांजे विशाल गुप्ता ने बताया कि उस दिन मामा का दोस्त अनुज घर आया था। उसने पहले कहा कि कहीं घूमने चलते हैं। मामा उसके साथ चले गए। दूसरे दिन मामा का सुबह फोन आया। उन्होंने बताया कि वे लोग नेपाल पहुंच गए हैं। फिर 23 दिसंबर को वॉट्सऐप कॉल आया। इस बार उन्होंने बताया कि अनुज कोई फ्रॉड करके भागा है इसलिए नेपाल में रुका है। उसके साथ के कई लोग फरार हैं। इसके बाद मैंने उनसे लखनऊ आने की बात कही तो वह बोले कोई दिक्कत नहीं है। शाम को करीब 3.00 बजे मामा के नंबर से फोन आया। फोन करने वाले शख्स ने बताया कि मामा विक्रमनगर पुल के नीचे बेहोश पड़े हैं। जानकारी मिलने पर वहां पहुंचे तो उन्हें एम्बुलेंस से लोकबंधु अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद बताया कि उनकी मौत हो गई है। मामा घर से निकले थे तो उनके पास एक बैग और पर्स था जिनमें तमाम दस्तावेज और पैसे थे। विशाल ने बताया कि मामा की मौत के बाद जब उनके दोस्त अनुज को फोन मिलाया तो मिला नहीं, पता करने पर भी कुछ पता नहीं चला। इसके बाद इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। कृष्णानगर इंस्पेक्टर पीके सिंह ने बताया कि ऐसा लग रहा।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ प्रदर्शन,

लखनऊ,(संवाददाता)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदू समुदाय, पर कथित अत्याचार के विरोध में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अल्पसंख्यक मोर्चे के कार्यकताओं व पदाधिकारियों ने लखनऊ स्थित प्रदेश मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश के अंतरिम प्रधानमंत्री यूनुस खान और कट्टरपंथी तत्वों का पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया। इस दौरान नारेबाजी करते हुए उन्होंने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे कथित उत्पीड़न पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। प्रदर्शन में शामिल नेताओं और कार्यकताओं का कहना था कि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ लगातार हिंसा और भेदभाव की खबरें सामने आ रही हैं, जो गंभीर चिंता का विषय हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से इस मामले में कूटनीतिक स्तर पर हस्तक्षेप करने और बांग्लादेश सरकार पर उचित कार्रवाई का दबाव बनाने की मांग की।

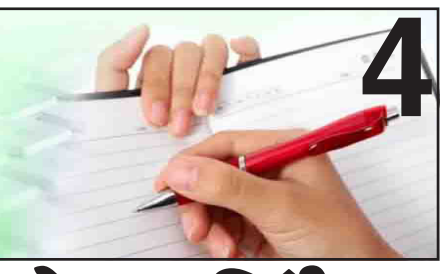

संपादकीय

न्याय-अन्याय के बीच

उन्नाव दुराचार मामले में दोषी कुलदीप सिंह सेंगर को सशर्त जमानत दिए जाने के खिलाफ शुक्रवार को पीड़िता की मां समेत कई लोगों ने दिल्ली हाईकोर्ट के सामने प्रदर्शन किया। वे दोषियों को कड़ी सजा दिए जाने की मांग कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों दिल्ली हाईकोर्ट ने बहुचर्चित उन्नाव रेप केस के दोषी पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को सशर्त जमानत दे दी थी। जिसके बाद फैसले को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। पीड़िता की मां इस जमानत को रद करने और शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाने की बात कहती रही हैं। वे अपने पति के हत्यारों को फांसी देने की गुहार लगाती नजर आईं। विपक्षी नेता भी आरोप लगाते रहे हैं जिस तरह तकनीकी आधार पर दोषी को छूट दी गई है, उसमें न्यायिक प्रणाली के लिये गलत परंपरा विकसित होगी। जिससे पीड़िता के परिवार का ही नहीं, बल्कि देश की महिलाओं का भरोसा भी टूटेगा। दरअसल, वर्ष 2017 में हुए इस बहुचर्चित मामले में पूर्व विधायक को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनायी गई थी। जिसे हाईकोर्ट ने कुछ शर्तों के साथ पिछले दिनों जमानत दे दी। जिसके खिलाफ पीड़ित पक्ष और कतिपय महिला संगठन मुखर हुए हैं। बल्कि इस मामले की सर्वाइवर का कहना था कि यदि दोषी व्यक्ति जेल से बाहर होगा तो सुरक्षा के लिये मुझे जेल भेज दिया जाए। उल्लेखनीय है कि सजा मिलने के छह साल बाद हाईकोर्ट की एक बैंच ने उसकी सजा निलंबित कर दी थी। पूर्व विधायक को 15 लाख रुपये के निजी मुचलके और समान राशि के तीन जमानतदार पेश करने का निर्देश दिया था। सजा निलंबित होने के कुछ ही घंटों के बाद पीड़िता व कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इंडिया गेट पर विरोध प्रदर्शन किया था। उनका आरोप था कि उत्तर प्रदेश के अगले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर दोषी को जमानत दी गई है। पीड़ित पक्ष का आरोप था कि दोषी व्यक्ति जेल से बाहर रहेगा तो उनकी सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। इस मामले में विपक्षी राजनीतिक दलों की भी तल्ख प्रतिक्रियाएं आई हैं। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता ने इस जमानत को निराशाजनक बताया। उल्लेखनीय है कि इस अपराध के सामने आने में दस माह लगे थे। मामले के तूल पकड़ने पर पीड़िता के पिता पर हमला हुआ था। उन्हें बाद में जेल भेज दिया गया था और पुलिस हिरासत में रहस्यमय ढंग से उनकी मृत्यु हो गई थी। उल्लेखनीय है कि हाईकोर्ट की बेंच ने कहा कि जमानत की अवधि में सेंगर सर्वाइवर के पांच किमी के दायरे में नहीं आएंगे और दिल्ली में ही रहेंगे। उसे हर सोमवार पुलिस के समक्ष रिपोर्ट करने का भी निर्देश दिया गया है। साथ ही यह भी कि किसी भी शर्त के उल्लंघन में जमानत रद कर दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि सेंगर ने ट्रायल कोर्ट में दुराचार के लिये दोषी ठहराने वाले फैसले को चुनौती दी थी। दरअसल, इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के बाद उसे गिरफ्तार किया गया था, उसके खिलाफ बलात्कार, अपहरण और आपराधिक धमकी के आरोप लगे। साथ ही पोक्सो एक्ट के तहत भी मामला दर्ज हुआ था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने इससे जुड़े चार मामलों की सुनवाई दिल्ली स्थानांतरित कर दी थी। इस बीच रायबरेली जाते समय पीड़िता की कार को एक ट्रक ने टक्कर मारी थी, जिसमें उनकी दो मौसियों की मौत हो गई थी। यही वजह है कि ट्रायल कोर्ट ने दुराचार के मामले में सेंगर को दोषी ठहराते हुए न केवल आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी बल्कि निर्देश दिया था कि सीबीआई सर्वाइवर और उसके परिवार के जीवन व स्वतंत्रता की सुरक्षा भी सुनिश्चित करे। इतना ही नहीं ट्रायल कोर्ट ने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में सेंगर के सार्वजनिक सेवक होने के बावजूद अपराध करने को अनैतिक बताया था। जो जनता का विश्वास तोड़ने वाला है। वहीं कानून के जानकार मानते हैं कि पीड़िता के पिता की हत्या के मामले में भी सेंगर को दस साल की सजा हुई थी, अतरू अभी उसके जेल से बाहर आने की संभावना नहीं है। लेकिन इस जमानत के फैसले ने न्याय व अन्याय के सवाल को फिर से सवालों के घेरे में खड़ा किया है।

डिजिटल क्रांति दुधारी तलवार, सोशल नेटवर्किंग जागरूकता से जनित मानसिक जटिलताएँ

> सोशल मीडिया ने वैश्विक स्तर पर एक ऐसे नए नागरिक को जन्म दिया है जो स्वयं जागरूक है और दूसरों को भी जागरूक करता है, किंतु इसी प्रक्रिया में बच्चे और किशोर बहुत कम उम्र में वयस्क दुनिया के दबाव, तुलना, आभासी प्रतिस्पर्धा और मानसिक द्वंद्व का शिकार हो रहे हैं, सोशल नेटवर्किंग आज मानसिक रोगों को जन्म देने वाली एक अदृश्य मशीन के रूप में भी सामने आ रही है, गांव से लेकर शहर तक लगभग हर व्यक्ति इसके प्रभाव में है और कई बार यह प्रभाव मानसिक संतुलन को डगमगाने की स्थिति तक पहुंच जाता है, अभिभावकों द्वारा मोबाइल फोन छीन लेने पर बच्चों में अवसाद और आत्मघाती प्रवृत्तियों के बढ़ते मामले इस खतरे की गंभीर चेतावनी हैं, वर्तमान समय में फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर (एक्स), इंस्टाग्राम, लिंक्डइन जैसे मंच इंटरनेट का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं जो दुनिया भर के अरबों लोगों को पलक झपकते जोड़ देते हैं

संजीव ठाकुर

सोशल नेटवर्किंग और डिजिटल क्रांति 21वीं सदी की सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिनी जा रही है, क्योंकि इंटरनेट और वेब मीडिया के इस युग ने सूचना के आदान-प्रदान, जनमत निर्माण, विभिन्न क्षेत्रों, संस्कृतियों और समाजों को जोड़ने तथा उन्हें सहभागी बनाने में एक अभूतपूर्व भूमिका निभाई है, आ सोशल नेटवर्किंग केवल संवाद का माध्यम नहीं बल्कि एक सामाजिक पहचान और स्टेटस सिंबल भी बन चुकी है, जितनी तेजी से इसने दुनिया को जोड़ा है उतनी ही गहराई से इसने मानसिक, सामाजिक और पारिवारिक समस्याओं को जन्म भी दिया है, सोशल मीडिया ने वैश्विक स्तर पर एक ऐसे नए नागरिक को जन्म दिया है जो स्वयं जागरूक है और दूसरों को भी जागरूक करता है, किंतु इसी प्रक्रिया में बच्चे और किशोर बहुत कम उम्र में वयस्क दुनिया के दबाव, तुलना, आभासी प्रतिस्पर्धा और मानसिक द्वंद्व का शिकार हो रहे हैं, सोशल नेटवर्किंग आज मानसिक रोगों को जन्म देने वाली एक अदृश्य मशीन के रूप में भी सामने आ रही है, गांव से लेकर शहर तक लगभग हर व्यक्ति इसके प्रभाव में है और कई बार यह प्रभाव मानसिक संतुलन को डगमगाने की स्थिति तक पहुंच जाता है, अभिभावकों द्वारा मोबाइल फोन छीन लेने पर बच्चों में अवसाद और आत्मघाती प्रवृत्तियों के बढ़ते मामले इस खतरे की गंभीर चेतावनी हैं, वर्तमान समय में फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर (एक्स), इंस्टाग्राम, लिंक्डइन जैसे मंच इंटरनेट का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं जो दुनिया भर के अरबों लोगों को पलक झपकते जोड़ देते हैं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के पक्ष को रखने, सीमा संबंधी मुद्दों और वैश्विक जनमत को प्रभावित करने में भी सोशल मीडिया एक प्रभावी माध्यम बना, किंतु इसका नकारात्मक पक्ष उतना ही खतरनाक है क्योंकि अत्यधिक उपयोग मानव मस्तिष्क पर नकारात्मक प्रभाव डालता है, अवसाद, अकेलापन, आक्रामकता, स्मरण शक्ति और चिंतन क्षमता में गिरावट जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं, सोशल मीडिया फर्जी समाचार, भड़काऊ भाषण, अफवाहों और साइबर अपराध का बड़ा मंच बन चुका है, भारत जैसे बहुलतावादी लोकतंत्र में यह सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय एकता और स्थिरता के लिए गंभीर चुनौती प्रस्तुत करता है, साइबर स्कैम, निजी डेटा की चोरी, धार्मिक भावनाओं और राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान तथा कानूनों का उल्लंघन इसके दुष्परिणाम हैं, अनियंत्रित सोशल मीडिया उपयोग से व्यक्ति-व्यक्ति के बीच वास्तविक संवाद और संवेदना की दूरी बढ़ती जा रही है, इस प्रकार सोशल नेटवर्किंग ज्ञान, रोजगार, संचार और सामाजिक जागरूकता का सशक्त माध्यम होने के साथ-साथ मानसिक, सामाजिक और नैतिक संकटों का कारण भी बन रही है, इसलिए यह आवश्यक है कि सोशल मीडिया के उपयोग में संतुलन, विवेक और जिम्मेदारी विकसित की जाए, निजता के अधिकार की रक्षा करते हुए इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए नए कानूनी, सामाजिक और नैतिक विकल्पों की खोज की जाए, ताकि इसकी सकारात्मक शक्तियों को आत्मसात करते हुए आने वाली पीढ़ियों को इसके संभावित दुष्प्रभावों से बचाया जा सके।

दिमाग के लिए पढ़ना भी वैसा ही है, जैसा शरीर के लिए व्यायाम

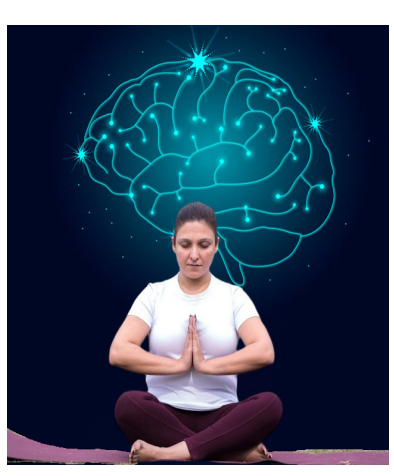

> मैंने पांच मिनट से भी कम समय में यह कर लिया और लौटकर एक-एक शब्द सुना दिया। फिर उन्होंने पूछा, तो क्या तुम्हारे दिमाग में इस पेज का हर शब्द आ गया है? मैंने गर्व से कहा, हां। उन्होंने अपना सिर हिलाया और बोलीं कि अच्छा, अब किताब लाओ, जरा मैं देखूं। मैंने तुरंत किताब दे दी। उन्होंने पेज देखकर कहा कि नामुमकिन। इस किताब से तुम्हारे दिमाग में एक अक्षर तक नहीं गया। देखो, सारे अक्षर तो यहीं हैं। अगर ये तुम्हारे दिमाग में होते, तो पेज खाली होना चाहिए था। फिर उन्होंने मुझे नेवैद्यम का असल अर्थ और उसकी भावना समझाई। मैंने पूछा कि यह बात उन्हें किसने बताई तो उन्होंने कांचीपुरम मठ के श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती स्वामीगल का नाम लिया और उनकी किताबें मुझे पढ़कर सुनाईं। यहीं से पढ़ने में मेरी रुचि धीरे-धीरे बढ़ती गई। मेरी मां मुझे ढेरों किताबें पढ़कर सुनाती थीं और मानती थीं कि बच्चे के जीवन में पढ़ने का कोई विकल्प नहीं है। बेस्ट सेलिंग फंतासी बुक सीरीज हैरी पॉटर की प्रख्यात ब्रिटिश लेखिका जेके रोलिंग ही ऐसी नहीं, जो सोते वक्त बच्चों को कहानियां सुनाने को महत्वपूर्ण मानती हैं- मेरी मां भी इसमें भरोसा रखती थीं। मेरे पिता अखबार पढ़वाकर मेरा उच्चारण जांचते थे। कॉलेज के दिनों में जब मैं शॉर्टहैंड सीख रहा था, वे संपादकीय पन्नों से डिक्टेशन दिया करते थे। इससे मैंने न सिर्फ भाषा सीखी, बल्कि मुझे नेताओं की राय और विचारों का भी पता चला। इस हफ्ते मुझे ये बातें तब याद आईं, जब उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी सरकारी माध्यमिक स्कूलों में छात्रों के लिए अखबार पढ़ना अनिवार्य कर दिया।

एन. रघुरामन

जब भगवान कुछ खाते ही नहीं हैं तो हम नेवैद्यम के तौर पर उनके सामने खाने की चीजें क्यों रखते हैं? अपने स्कूली दिनों में यह सवाल मैंने अपनी मां से पूछा था। उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। नेवैद्यम में से एक चीज मुझे खिलाने के बाद उन्होंने मेरी स्कूल बुक ली और मुझसे एक पेज पढ़ने को कहा, जहां महज दो लाइनें थीं। उन्होंने कहा, मैं चाहती हूं कि तुम इसे रटकर हमेशा के लिए दिमाग में बसा लो।

मैंने पांच मिनट से भी कम समय में यह कर लिया और लौटकर एक-एक शब्द सुना दिया। फिर उन्होंने पूछा, तो क्या तुम्हारे दिमाग में इस पेज का हर शब्द आ गया है? मैंने गर्व से कहा, हां। उन्होंने अपना सिर हिलाया और बोलीं कि अच्छा, अब किताब लाओ, जरा मैं देखूं। मैंने तुरंत किताब दे दी। उन्होंने पेज देखकर कहा कि नामुमकिन। इस किताब से तुम्हारे दिमाग में एक अक्षर तक नहीं गया। देखो, सारे अक्षर तो यहीं हैं। अगर ये तुम्हारे दिमाग में होते, तो पेज खाली होना चाहिए था। फिर उन्होंने मुझे नेवैद्यम का असल अर्थ और उसकी भावना समझाई। मैंने पूछा कि यह बात उन्हें किसने बताई तो उन्होंने कांचीपुरम मठ के श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती स्वामीगल का नाम लिया और उनकी किताबें मुझे पढ़कर सुनाईं। यहीं से पढ़ने में मेरी रुचि धीरे-धीरे बढ़ती गई। मेरी मां मुझे ढेरों किताबें पढ़कर सुनाती थीं और मानती थीं कि बच्चे के जीवन में पढ़ने का कोई विकल्प नहीं है। बेस्ट सेलिंग फंतासी बुक सीरीज हैरी पॉटर की प्रख्यात ब्रिटिश लेखिका जेके रोलिंग ही ऐसी नहीं, जो सोते वक्त बच्चों को कहानियां सुनाने को महत्वपूर्ण मानती हैं- मेरी मां भी इसमें भरोसा रखती थीं। मेरे पिता अखबार पढ़वाकर मेरा उच्चारण जांचते थे। कॉलेज के दिनों में जब मैं शॉर्टहैंड सीख रहा था, वे संपादकीय पन्नों से डिक्टेशन दिया करते थे। इससे मैंने न सिर्फ भाषा सीखी, बल्कि मुझे नेताओं की राय और विचारों का भी पता चला। इस हफ्ते मुझे ये बातें तब याद आईं, जब उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी सरकारी माध्यमिक स्कूलों में छात्रों के लिए अखबार पढ़ना अनिवार्य कर दिया। ताकि उनमें पढ़ने की आदत डाली जा सके, स्क्रीन टाइम कम किया जा सके और उनमें तार्किक सोच विकसित की जा सके। प्रारंभिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव पार्थसारथी सेन शर्मा की ओर से 23 दिसंबर को जारी आदेश में कहा गया है कि अंग्रेजी और हिंदी, दोनों ही अखबारों को स्कूलों की रोजमर्रा की अध्ययन संस्कृति का हिस्सा बनाया जाए। यह नया आदेश नवंबर में जारी उस आदेश की कड़ी में था, जिसमें छात्रों में पढ़ने की आदत विकसित करने के तरीकों पर बात की गई थी। 23 दिसंबर के आदेश में अत्यधिक स्क्रीन टाइम को हतोत्साहित करते हुए छात्रों को फिजिकल अखबार पढ़ने की सलाह दी गई, ताकि उनमें एकाग्रता बढ़ सके। आदेश में कहा गया है कि रोजाना मॉर्निंग असेंबली में 10 मिनट की न्यूज रीडिंग की जानी चाहिए। इसमें छात्र बारी-बारी से संपादकीय लेखों के मुख्य बिंदु, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय व खेल जगत की सकारात्मक खबरें पढ़कर सुनाएंगे।

आदेश में यह भी है कि आमतौर पर छात्र अपने पसंदीदा विषयों तक ही सीमित रहते हैं, जबकि अखबार से उन्हें विज्ञान, संस्कृति और खेल के उन मसलों की जानकारी भी मिलती है, जिनके बारे में वे सामान्यतरू नहीं पढ़ते। यह एक्सीडेंटल लर्निंग उनका नॉलेज बेस बढ़ाती है। आपका पैशन, प्रोजेक्ट या पेशा कुछ भी हो, पढ़ने की आदत आपको लक्ष्य पाने में मदद करती है। पढ़ना हमें नए नजरिए समझाता है, सहानुभूति सिखाता है और दिमाग में नए विचार पैदा करता है। बिल गेट्स जैसे सभी सफल लोगों से पूछिए, वे भी सफलता का श्रेय पढ़ने को, खासकर अखबार पढ़ने की आदत को देते हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न पर आखिर खामोश क्यों हैं दुनिया के लोग?

> स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उन्हें स्वीकृत 500 रुपये की सरकारी पेंशन लेने से भी उन्होंने यह कहकर मना कर दिया था कि उन्होंने आजादी की लड़ाई पेंशन के लिए थोड़े ही लड़ी थी। खुद्दार तो वे इतने थे कि उन्हें अपनी संतानों, परिजनों व शुभचिंतकों से किसी भी रूप में आर्थिक सहायता लेना गवारा नहीं था। सरकार द्वारा घर देने के प्रस्ताव को भी उन्होंने ठुकरा दिया था। उनके पास अपना घर तक नहीं था तो कार या कोई और वाहन होने का सवाल ही नहीं था। इसलिए राजधानी दिल्ली में वे प्रायः बसों से आते-जाते दिखाई देते थे। बाद में उनकी अहमदाबाद वासी बेटी से उनकी दुर्दशा नहीं देखी गई तो वह उन्हें किसी तरह समझा-बुझाकर अपने साथ ले गईं। वर्ष 1998 में 15 जनवरी को अपने सौवें जन्मदिन से कुछ महीनों पहले उन्होंने वहीं अंतिम सांस ली। निधन से कोई साल भर पहले 1997 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया, जबकि पद्मविभूषण से पहले से विभूषित किया जा चुका था। अपने मंत्रिकाल में वे भ्रष्टाचार को लेकर इतने असहिष्णु थे कि भ्रष्टाचारी कितना भी प्रभावशाली या अपना क्यों न हो, उसे बख्शते नहीं थे। एक बार इसी के चलते उन्हें अपना मंत्री पद भी गंवा देना पड़ा था। यह जानना भी दिलचस्प है कि वे जितने बड़े राजनेता, उतने ही अच्छे अर्थशास्त्र के जानकार व लेखक भी थे। उन्होंने कई किताबें तो लिखी ही हैं, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और 1947 में इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

नवंबर 2024 से जनवरी 2025 तक 76 हमले दर्ज हुए, जबकि अगस्त 2024 से अब तक 23 हिंदुओं की हत्या और 152 मंदिरों पर आक्रमण की खबरें हैं। वहीं, 2025 में राजबाड़ी जिले में अमृत मंडल और दीपू चंद्र दास जैसे हिंदू युवकों की पीट-पीटकर हत्या हुई, साथ ही घरों में आगजनी के मामले सामने आए। भारत के पड़ोसी बांग्लादेश में हिंदुओं पर उत्पीड़न एक लंबे अरसे से चली आ रही समस्या है, जबकि उसके उदय में भारत सरकार की परोक्ष भूमिका रही है। कभी पूर्वी पाकिस्तान कहे जाने वाले बंगलादेश में अक्सर इस्लामिक कट्टरता ब्रेक के बाद मुखर हो जाती है, जो राजनीतिक अस्थिरता के दौरान अमूमन तेज हो जाती है। यह भारत सहित अंतर्राष्ट्रीय चिंता का विषय है और दुनियाभर में अल्पसंख्यक समूह के उत्पीड़न पर संयुक्त राष्ट्र संघ की विफलता का द्योतक है। हाल के दिनों में भारत और बंगलादेश के कूटनीतिक सम्बन्धों पर भी इन बातों का साफ असर महसूस किया जा सकता है। यदि पुरानी बातें छोड़ भी दीं जाएं तो गत वर्ष यानी 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद से बंगलादेश में हिंदू विरोधी हिंसा में पुनः उछाल आया है, जिसमें मंदिरों पर हमले, घरों में लूटपाट और हत्याएं शामिल हैं। इस पर भारत सरकार और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की महज खानापूर्ति वाली प्रतिक्रिया से वहां हिंदुओं पर संकट गहराता जा रहा है। इससे भारत में भी बंगलादेश विरोधी उत्तेजना स्वाभाविक है। यदि हालिया घटनाओं पर नजर दौड़ाएं तो पता चलता है कि नवंबर 2024 से जनवरी 2025 तक 76 हमले दर्ज हुए, जबकि अगस्त 2024 से अब तक 23 हिंदुओं की हत्या और 152 मंदिरों पर आक्रमण की खबरें हैं। वहीं, 2025 में राजबाड़ी जिले में अमृत मंडल और दीपू चंद्र दास जैसे हिंदू युवकों की पीट-पीटकर हत्या हुई, साथ ही घरों में आगजनी के मामले सामने आए। इसकी एक बड़ी वजह बंगलादेश में हिंदुओं की जनसंख्या में निरंतर कमी होना भी है। आंकड़े बताते हैं कि 1971 में हिंदू बांग्लादेश की आबादी का 22% थे, जो अब घटकर 8% से कम रह गए हैं, जो मुख्यतः उत्पीड़न और पलायन के कारण हुआ है। एक अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च के मुताबिक, 16 लाख हिंदू भारत चले गए, क्योंकि बंगलादेश में हिंदुओं की भूमि हड़पना, बलात्कार और मंदिर तोड़फोड़ आम अपराध हैं। इससे जुड़े आंकड़े और रिपोर्ट की मानें तो 2025 के पहले छह महीनों में 258 हिंसा की घटनाएं हुईं, जिनमें 20 बलात्कार और 59 पूजा स्थलों पर हमले शामिल हैं। कुल 4 अगस्त 2024 से जून 2025 तक 2,244

मामले दर्ज किए जा चुके हैं। जबकि अंतरिम सरकार पर निष्क्रियता का आरोप है, जिससे अपराधी बेखौफ हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि बंगलादेश की कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद युनुस ने बांग्लादेश में हिंदू हत्याओं पर प्रत्यक्ष रूप से कोई स्पष्ट सार्वजनिक बयान या ठोस कार्रवाई नहीं की है, जिससे उनकी सरकार पर निष्क्रियता के आरोप लगे हैं। कई रिपोर्ट्स में हिंसा को उनकी कथित कट्टरपंथी नीतियों से जोड़ा गया है, लेकिन आधिकारिक प्रतिक्रिया में केवल सामान्य शांति अपील तक सीमित रहने का उल्लेख है। इसलिए उनपर आरोप लगते हैं और आलोचना भी होती है कि युनुस सरकार पर जमात-ए-इस्लामी जैसे कट्टरपंथी समूहों को संरक्षण दे रहे हैं, जिसके बाद हिंदू हत्याओं में वृद्धि हुई। वहीं, भारतीय मीडिया और विपक्षी नेता भी उन्हें हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराते हैं, जबकि युनुस ने भारत के दबाव में जांच के वादे किए बिना कोई स्पष्ट स्टैंड नहीं लिया। जहां तक अंतरराष्ट्रीय दबाव की बात है तो भारत और ब्रिटेन जैसे देशों ने युनुस से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग की, लेकिन उनकी प्रतिक्रिया में कोई ठोस कदम नहीं दिखा। वहीं, बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने निर्वासन से युनुस पर हिंदू उत्पीड़न को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। जहां तक इस मसले पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया का सवाल है तो भारत सरकार ने लोकसभा में मामले उठाया, जबकि विश्व हिंदू परिषद ने विरोध प्रदर्शन किए। वहीं, ब्रिटिश सांसदों ने युनुस सरकार पर कार्रवाई की मांग की। बता दें कि भारत विदेशों में हिंदुओं पर हो रहे उत्पीड़न को मुख्य रूप से कूटनीतिक दबाव, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आवाज उठाने और संबंधित देशों से न्याय की मांग करके रोकने का प्रयास करता है। बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों में हालिया घटनाओं पर विदेश मंत्रालय ने सख्त बयान जारी किए हैं, जहां दोषियों को सजा देने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई है। जहां तक कूटनीतिक प्रयास की बात है तो भारतीय विदेश मंत्रालय बांग्लादेश में हिंदू युवकों की हत्या और घरों पर हमलों की कड़ी निंदा करता है तथा अंतरिम सरकार से कार्रवाई की अपेक्षा रखता है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने ढाका में बांग्लादेशी समकक्ष से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर चर्चा की। वहीं भारत उचित अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की दुर्दशा उजागर करता है, लेकिन सुरक्षा की मुख्य जिम्मेदारी संबंधित देश की सरकार मानता है। जहां तक गृह मंत्रालय की भूमिका की बात है तो गृह मंत्री अमित शाह ने बांग्लादेश सीमा पर विशेष समिति गठित की है जो हिंदू अल्पसंख्यकों की स्थिति की निगरानी करती है और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। नागरिकता संशोधन कानून के जरिए उत्पीड़ित हिंदू, सिख आदि को भारत में शरण प्रदान की जा रही है। वहीं, विभिन्न राष्ट्रवादी संगठनों ने भी इस मामले में पहल की है।

टेस्ट क्रिकेट के लिए अलग कोच की तलाश कर रहा है बीसीसीआई? इस पूर्व बल्लेबाज के साथ किया गया संपर्क

नई दिल्ली : टेस्ट प्रारूप में भारतीय टीम का जिस तरह का प्रदर्शन चल रहा है, उसे देखते हुए बीसीसीआई के अंदर भी चिंता की स्थिति मालूम पड़ रही है। कोच गौतम गंभीर के लिए भी आगे की राह कठिन होती नजर आ रही है। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का सीमित ओवर में अच्छा रिकॉर्ड है और उनके नेतृत्व में टीम ने एक आईसीसी और एक एसीसी ट्रॉफी अपने नाम की है। लेकिन सेना देशों के खिलाफ 10 टेस्ट मैच गंवाने के बाद लाल गेंद के क्रिकेट में कोच के तौर पर गंभीर की शैली पर प्रश्न चिन्ह लगाए जा रहे हैं। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में मिली हार के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) में अहम पद पर मौजूद किसी ने वीवीएस लक्ष्मण से अनौपचारिक तौर पर बातचीत की थी और यह जानने की कोशिश की थी कि क्या वह लाल गेंद की टीम का कोच बनने में रुचि रखते हैं?

फैशन लवर्स के लिए इंस्पिरेशन बने कंगना के विंटर साड़ी लुक

संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर को शुरू हुआ, और इसके साथ ही बीजेपी सांसद कंगना रनौत की साड़ी की कहानी भी शुरू हो गई। एक्ट्रेस से नेता बनीं कंगना संसद में हमेशा ट्रेडिशनल कपड़े पहनने के लिए जानी जाती हैं। सर्दियों में भी इनका साड़ी प्यार खत्म नहीं हुआ उन्होंने इसे लंबे बेज ट्रेंच कोट के साथ लेयर किया। ट्रेडिशनल पहनावे को मॉडर्न टच के साथ कैरी करने का उनका अंदाज एक बार फिर फैशन लवर्स के लिए इंस्पिरेशन बन गया। कंगना ने ठंड के मौसम के लिए ऊनी, हैंडलूम और कॉटन-सिल्क ब्लेंड साड़ियां चुनीं, जो न सिर्फ गर्म थीं बल्कि बेहद ग्रेसफुल भी लगीं। उनकी साड़ियों में नजर आए म्यूटेड बेज, ऑफ-व्हाइट, अर्थी टोन और गहरे गहरे बॉर्डर। ये रंग संसद जैसे गरिमामय स्थान के लिए बिल्कुल परफेक्ट लगे। फुल स्लीव ब्लाउज, हल्का शॉल या दुपट्टा, मिनिमल मेकअप और स्लीक हेयरस्टाइल इन एलिमेंट्स ने उनके लुक को क्लासी और प्रोफेशनल बनाए रखा। कंगना ने भारी गहनों से दूरी रखते हुए छोटे स्टड ईयररिंग्स, सिंपल बिंदी जैसी एक्सेसरीज चुनीं, जिससे पूरा फोकस साड़ी पर रहा। उनका यह स्टाइलहैंडलूम और इंडियन टेक्सटाइल को प्रमोट करता नजर आया।

कंगना ने साड़ी के साथ जो हील वाले बूट्स पहने थे, वे अपने आप में तो अच्छे लग रहे थे लेकिन इस खास लुक के साथ और भी शानदार लगे। ऑफिस और फॉर्मल इवेंट्स के लिए यह इंस्पिरेशन है। क्लासिक ओवरकोट कभी भी आउट ऑफ स्टाइल नहीं होते और इन्हें साड़ी के साथ पहनकर कंगना ने फैशन गोल सेट कर दिया। ये सर्दियों की ड्रेसिंग के लिए एक स्मार्ट और वर्सेटाइल इन्वेस्टमेंट होते हैं।

मनीष पॉल ने भाईजान को कुछ इस तरह दीं जन्मदिन की शुभकामनाएं

आज सलमान खान अपने 60वें जन्मदिन का जश्न मना रहे हैं और मनोरंजन जगत से मिल रही बधाइयाँ उनके प्रति साथियों के गहरे सम्मान और स्नेह को दर्शा रही हैं। इन्हीं में से एक खास और भावुक संदेश अभिनेता और होस्ट मनीष पॉल का रहा, जिसने सिर्फ जश्न ही नहीं बल्कि आभार और अपनापन भी व्यक्त किया। मनीष पॉल ने सोशल मीडिया पर सुपरस्टार के लिए एक गर्मजोशी भरा नोट साझा करते हुए लिखा,ह्लहैप्पी बर्थडे, सलमान खान भाईजान !!! आपने हमें जो प्यार और अपनापन दिया है, उसके लिए दिल से धन्यवाद!!! लव यू भाई सोशल मीडिया पर वाइरल हो चुके इस पोस्ट ने जहां मनीष पॉल के साथ सलमान खान के फैंस के दिलों को छू गया, वहीं इस पोस्ट के जरिए दोनों के बीच के निजी और सम्मानपूर्ण रिश्ते की झलक भी उनके फैंस को मिल गई। फिलहाल अपनी सकारात्मक ऊर्जा और सादगी के लिए जाने जाने वाले मनीष पॉल अक्सर इंडस्ट्री में रिश्तों की अहमियत पर बात करते रहे हैं। सलमान खान के लिए उनकी यह जन्मदिन की शुभकामना भी इसी सोच को दशार्ती है, जिसमें सलमान की दरियादिली और लोगों को अपनापन देने की खासियत साफ नजर आती है। रही बात सलमान खान की, तो उनकी सिनेमाई विरासत जगजाहिर है, लेकिन ऐसे पल उनके ऑफ-स्क्रीन प्रभाव को भी उजागर करते हैं। मनीष पॉल के इस सरल लेकिन दिल से निकले संदेश के जरिए यह साफ महसूस होता है कि सलमान खान इंडस्ट्री में कितनी गर्मजोशी और सम्मान के साथ देखे जाते हैं। इस खास मौके पर, मनीष पॉल के शब्द हमें याद दिलाते हैं कि ग्लैमर और उपलब्धियों से भरी इस दुनिया में भी सच्चे रिश्ते और इंसानी जुड़ाव ही सबसे ज्यादा मायने रखते हैं।

सलमान खान का मेगा गिफ्ट! बर्थडे पर दोपहर 2 से 4 बजे के बीच बैटल ऑफ गलवान टीजर होगा रिवील

सलमान खान 27 दिसंबर को अपना जन्मदिन मनाने वाले हैं, और इस खास मौके को उनके फैन्स के लिए और भी यादगार बनाने की तैयारी है। खबर है कि मेगास्टार अपने आने वाली फिल्म बैटल ऑफ गलवान से जुड़ा एक बड़ा अपडेट अपने जन्मदिन पर फैन्स को गिफ्ट के तौर पर देने वाले हैं। सूत्रों के मुताबिक, सलमान खान अपने जन्मदिन पर बैटल ऑफ गलवान से जुड़ा एक अहम अपडेट शेयर करने वाले हैं, जिससे उनके फैन्स में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। माना जा रहा है कि यह ऐलान फिल्म से जुड़ा एक खास खुलासा होगा, जो उनके चाहने वालों के लिए इस दिन को और भी खास बना देगा। हिंदुस्तान टाइम्स से जुड़े एक सूत्र ने बताया, ह्ल27 दिसंबर को सलमान खान अपने जन्मदिन के मौके पर फैन्स को अपनी आने वाली फिल्मगलवान से जुड़ा एक बड़ा अपडेट देने वाले हैं। माना जा रहा है कि फिल्म का एक अहम एसेट दोपहर 2 बजे से 4 बजे के बीच लॉन्च किया जाएगा, जिसका फैन्स बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।ह्व अपूर्वा लखिया के निर्देशन में बन रही बैटल ऑफ गलवान बहादुरी, बलिदान और जज्बे की एक दमदार और बेबाक कहानी पेश करने का वादा करती है। फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी अहम भूमिका में नजर आएंगी और इसे सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले खुद सलमान खान प्रोड्यूस कर रहे हैं।

दिल्ली में पूरा हुआ पेड्डी का अहम शेड्यूल, मेकर्स ने सेट से शेयर किया नया पोस्ट

पेड्डी 2026 की सबसे बड़ी पैन-इंडिया फिल्मों में से एक मानी जा रही है, जिसमें ग्लोबल स्टार राम चरण लीड रोल में नजर आएंगे और उनके साथ बेहद प्रतिभाशाली जाह्नवी कपूर दिखाई देंगी। फिल्म के मेकर्स लगातार अपडेट्स के जरिए दर्शकों की उत्सुकता बनाए हुए हैं। टीजर रिलीज और चिकिरी चिकिरि गाने के लॉन्च के बाद तो हर तरफ इसकी धुनों पर लोग झूमते नजर आ रहे हैं, जिससे फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और भी बढ़ गया है। बढ़ती उत्सुकता के बीच पेड्डी के मेकर्स ने फिल्म के सेट से एक नया अपडेट दिया है। टीम ने दिल्ली में चल रहे शूट से निर्देशक बुच्ची बाबू सना और डीओपी आर. रत्नवेलु की एक तस्वीर शेयर की है। साथ ही बताया गया कि दिल्ली में फिल्म का एक अहम शेड्यूल पूरा हो चुका है, जहां खूबसूरत विजुअल्स के साथ कुछ जबरदस्त सीन शूट किए गए हैं।तस्वीरें साझा करते हुए मेकर्स ने लिखा, श्पेड्डी ने दिल्ली में अपना एक अहम शेड्यूल पूरा कर लिया है, जहां बेहद खूबसूरत और असरदार विजुअल्स फिल्माए गए इस शेड्यूल में कुछ शानदार सीक्वेंस शूट किए गए पेड्डी 27 मार्च 2026 को वर्ल्डवाइड रिलीज होगी। पेड्डी का गाना चिकिरी चिकिरी फिल्म का सबसे बड़ा चार्टबस्टर बनकर सामने आया है और इससे फिल्म को लेकर चर्चा और तेज हो गई है। जापान, यूएई समेत कई देशों में लोगों ने इस गाने के आइकॉनिक स्टेप को दोहराया है। गाने को अब तक 100 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं, जिससे यह एक ग्लोबल सेंसेशन बन गया है। राम चरण, जाह्नवी कपूर, जगपति बाबू, शिवा राजकुमार और दिव्येंदु शर्मा जैसे सितारों से सजी पेड्डी का निर्देशन बुच्ची बाबू सना कर रहे हैं।

रकुल प्रीत सिंह के भाई के खिलाफ केस हुआ दर्ज, पुलिस ने तलाशी की शुरू; ड्रग्स मामले से कनेक्शन

हैदराबाद के चर्चित मसाब टैंक ड्रग्स मामले में अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के भाई का नाम सामने आ गया है। पुलिस ने अमन प्रीत सिंह के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। क्या है पूरा मामला, चलिए जानते हैं। हैदराबाद के चर्चित मसाब टैंक ड्रग्स मामले ने उस वक्त नया मोड़ ले लिया, जब जांच के दौरान अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के भाई अमन प्रीत सिंह का नाम सामने आया। इस खुलासे के बाद मामला केवल एक स्थानीय ड्रग्स नेटवर्क तक सीमित न रहकर हाई-प्रोफाइल बन गया है। पुलिस ने अमन प्रीत सिंह के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और उनकी तलाश में छापेमारी तेज कर दी गई है। दो व्यापारियों को हिरासत में लिया गया पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शहर में सक्रिय नशीले पदार्थों की सप्लाई चेन पर कार्रवाई करते हुए मसाब टैंक पुलिस और ईगल टीम ने संयुक्त अभियान चलाया था। इसी दौरान दो व्यापारियों को हिरासत में लिया गया, जिनसे पूछताछ में कई अहम जानकारियां सामने आईं। जांच में पता चला कि ये आरोपी लंबे समय से ड्रग्स की आपूर्ति कर रहे थे और इनके नियमित ग्राहकों की सूची भी काफी लंबी थी। पूछताछ के दौरान अमन प्रीत सिंह का नाम एक ऐसे उपभोक्ता के तौर पर सामने आया, जो कथित तौर पर बार-बार नशीले पदार्थ खरीदता रहा है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि उनके खिलाफ पहले भी एक अन्य ड्रग्स केस में नाम दर्ज हो चुका है, जिससे यह संदेह और गहरा गया कि वह लगातार इस अवैध गतिविधि से जुड़ा हुआ है। इसी आधार पर पुलिस ने उन्हें दो अलग-अलग मामलों में आरोपी माना है। बड़ी मात्रा में कोकीन और एमडीएमए हुआ जब्त कार्रवाई के दौरान पुलिस ने बड़ी मात्रा में कोकीन और एमडीएमए जब्त किया है। बरामद नशीले पदार्थों ने यह साफ कर दिया कि मामला केवल व्यक्तिगत सेवन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे संगठित नेटवर्क सक्रिय है। पुलिस अब इस नेटवर्क की जड़ों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है, ताकि सप्लायर से लेकर उपभोक्ता तक पूरी कड़ी को उजागर किया जा सके। अमन प्रीत सिंह पुलिस की पकड़ से बाहर फिलहाल अमन प्रीत सिंह पुलिस की पकड़ से बाहर बताए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि उनकी तलाश के लिए अलग-अलग टीमों को लगाया गया है और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने में जुटी हैं कि ड्रग्स की खरीद कहां और किन परिस्थितियों में की जाती थी। इस पूरे मामले ने शहरी युवाओं और हाई-प्रोफाइल सर्कल में बढ़ते नशे के चलन पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस का कहना है कि कानून की नजर में कोई भी बड़ा या छोटा नहीं है और ड्रग्स के खिलाफ अभियान में न तो सप्लायर को बख्शा जाएगा और न ही उपभोक्ता को। जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे और नाम सामने आने की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा। पुलिस का दावा है कि आने वाले दिनों में इस केस से जुड़े और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं, जो हैदराबाद में फैले ड्रग्स नेटवर्क की असली तस्वीर सामने लाएंगे।

स्टेज पर सिंगर ने तारा को किया किस, देखने लायक था बॉयफ्रेंड का रिएक्शन

तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया बी-टाउन के हॉट कपल में से एक हैं। अब तारा सुतारिया का एक वीडियो सामने आया है। जानिए वीडियो में क्या है और क्यों वायरल हो रहा है वीडियो बीती रात पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों का मुंबई में कॉन्सर्ट हुआ। इसमें संजय दत्त, मुनव्वर फारूकी और मनारा चोपड़ा समेत कई सेलेब्स भी शामिल हुए। अभिनेत्री तारा सुतारिया भी अपने बॉयफ्रेंड और अभिनेता वीर पहाड़िया के साथ एपी के इस कॉन्सर्ट में शामिल हुईं। इस दौरान तारा सुतारिया स्टेज पर भी गईं और उन्होंने एपी ढिल्लों के साथ डांस भी किया। लेकिन इस दौरान एपी ने तारा के साथ के स्टेज पर कुछ ऐसा किया, जिस पर वीर पहाड़िया का रिएक्शन अब वायरल है। जानिए एपी ने ऐसा क्या किया एपी ढिल्लों ने तारा को किया किस एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वीर और तारा एपी के कॉन्सर्ट को एंजॉय कर रहे हैं। तभी एपी ढिल्लों वीर के सामने तारा को स्टेज पर बुलाते हैं। इसके बाद काली ड्रेस में सजी तारा एपी ढिल्लों के साथ स्टेज पर आती हैं। स्टेज पर कदम रखते ही एपी ढिल्लों उन्हें गले लगाते हैं और उनके गालों पर किस करते हैं। इसके बाद तारा और एपी ढिल्लों डांस भी करते हैं। इस दौरान एपी तारा के कंधों पर हाथ रखे हुए भी नजर आते हैं और दोनों पूरी तरह से एंजॉय करते दिखते हैं। वीर पहाड़िया का रिएक्शन हुआ वायरल वायरल वीडियो में वीर पहाड़िया का रिएक्शन सबका ध्यान खींच रहा है। वीडियो में दिखता है कि जब तारा सुतारिया एपी के साथ मंच पर जाती हैं, तो वीर उन्हें घूरते हैं। इसके बाद जैसे ही एपी ढिल्लों तारा को किस करते हैं, तो वीर का रिएक्शन देखने लायक होता है।

विजय हजारे में विराट-रोहित की सैलरी कितनी ?

मुंबई : विजय हजारे ट्रॉफी में विराट कोहली और रोहित शर्मा को उनकी स्टारडम के हिसाब से नहीं, बल्कि अनुभव आधारित तय नियमों के तहत 60,000 प्रति मैच मिलते हैं। यह क्छछ और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से कहीं कम है, लेकिन घरेलू क्रिकेट में समानता और निष्पक्षता बनाए रखने का यह सिस्टम बीसीसीआई की सोच को दर्शाता है। विराट कोहली और रोहित शर्मा की विजय हजारे ट्रॉफी में वापसी ने भारत की घरेलू वनडे प्रतियोगिता को खास बना दिया है। भले ही इस टूर्नामेंट में आईपीएल जैसी चकाचौंध न हो, लेकिन यह भारत के घरेलू व्हाइट-बॉल कैलेंडर की रीढ़ माना जाता है। दोनों दिग्गज खिलाड़ियों की मौजूदगी से फैंस के मन में यह सवाल उठना लाजमी है कि आखिर घरेलू टूर्नामेंट में खेलने पर बीसीसीआई इन्हें कितनी सैलरी देती है? क्छछ और घरेलू क्रिकेट की कमाई में अंतर विराट कोहली और रोहित शर्मा दोनों ही बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्टेड खिलाड़ी हैं और आईपीएल में करोड़ों रुपये कमाते हैं, लेकिन विजय हजारे ट्रॉफी में खिलाड़ियों को उनकी स्टार वैल्यू के आधार पर नहीं, बल्कि तयशुदा नियमों के तहत भुगतान किया जाता है। यहां कोई ऑक्शन नहीं होता, बल्कि अनुभव ही सबसे बड़ा पैमाना होता है।

5000 डॉक्टर-11000 इंजीनियर ने छोड़ा पाकिस्तान! PAK के पूर्व सांसद के दावे से मुनीर की हो रही थू-थू

इस्लामाबाद : पाकिस्तान इस वक्त अपने सबसे बड़े ब्रेन ड्रेन के दौर से गुजर रहा है। सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक 24 महीनों में 5,000 डॉक्टर, 11,000 इंजीनियर और 13,000 अकाउंटेंट देश छोड़ चुके हैं। आर्थिक बदहाली और बेरोजगारी से परेशान लोग सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। साथ ही 'सो कॉल्ड' सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसीम मुनीर खूब थू-थू भी हो रही है। आइए जानते है क्यों? दुनियाभर में कटोरा लेकर घूम रहा पाकिस्तन इन दिनों अपने इतिहास के सबसे बड़े प्रतिभा पलायन (ब्रेन ड्रेन) के दौर से गुजर रहा है। देश की खराब आर्थिक हालत, राजनीतिक अस्थिरता और रोजगार की कमी के चलते बड़ी संख्या में पढ़े-लिखे और कुशल लोग देश छोड़ रहे हैं। पाकिस्तान के ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन एंड ओवरसीज एम्प्लॉयमेंट की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 24 महीनों में 5,000 डॉक्टर, 11,000 इंजीनियर और 13,000 अकाउंटेंट देश छोड़ चुके हैं। ये आंकड़े सामने आने के बाद सरकार और सेना नेतृत्व पर सवाल उठने लगे हैं। ऐसे में ये कहना गलत नहीं होगा कि आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान की दुनियाभर में तो थू-थू हो ही रही है। अब खुद पाकिस्तान के लोग ही शहबाज सरकार और उनकी नीतियों पर खूब सवाल खड़े कर रहे हैं। एक तरफ जहां इन आकड़ों को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए पूर्व पाकिस्तानी सांसद मुस्तफा नवाज खोखर ने शहबाज सरकार पर निशाना बनाया। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान के 'सो कॉल्ड' सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसीम मुनीर का एक पुराना बयान 'ब्रेन ड्रेन' नहीं 'ब्रेन ग्रेन' सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर खूब चर्चा में है। इतना ही नहीं यूजर्स मुनीर के इस बयान को आधार बनाकर मुनीर की खूब खिल्लियां भी उड़ा रहे है। मुनीर के बयान पर बवाल क्यों? बता दें कि पाकिस्तान के ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन एंड ओवरसीज एम्प्लॉयमेंट की रिपोर्ट के बाद सामने आए आंकड़े ने पाकिस्तान में एक नया भूचाल ला दिया है। ऐसे में सोशल मीडिया पर सेना प्रमुख मुनीर की खूब थू-थू हो रही है। इसका कारण है कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख मुनीर ने कुछ महीने पहले कहा था कि यह पलायन 'ब्रेन ड्रेन नहीं, बल्कि ब्रेन गेन' है। अब जब सरकारी आंकड़े सामने आए हैं, तो सोशल मीडिया पर उनकी जमकर आलोचना हो रही है। पूर्व पाकिस्तानी सीनेटर मुस्तफा नवाज खोखर ने जताई चिंता वहीं पाकिस्तान के पूर्व सांसद मुस्तफा नवाज खोखर ने सोशल मीडिया पर देश से हो रहे बड़े पैमाने पर प्रतिभा पलायन को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने लिखा कि पिछले 24 महीनों में पाकिस्तान से 5,000 डॉक्टर, 11,000 इंजीनियर और 13,000 अकाउंटेंट देश छोड़ चुके हैं। खोखर ने बताया कि पाकिस्तान दुनिया का चौथा सबसे बड़ा प्रतिलांसिंग हब है, लेकिन बार-बार इंटरनेट बंद होने से देश को 1.62 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है और 23.7 लाख फ्रीलांस नौकरियां खतरे में हैं। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब तक राजनीति नहीं सुधरेगी, तब तक देश की अर्थव्यवस्था भी नहीं सुधर सकती। इंटरनेट बंद होना पाकिस्तान के लिए बड़ी समस्या पाकिस्तान में जारी गंभीर आर्थिक और राजनीतिक संकट का असर अब हर क्षेत्र में साफ दिखने लगा है। दुनिया का चौथा सबसे बड़ा फ्रीलांसिंग हब होने के बावजूद, बार-बार इंटरनेट बंद होने से पाकिस्तान को करीब 1.62 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है और 23.7 लाख फ्रीलांस नौकरियां खतरे में पड़ गई हैं। देश छोड़ने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। 2024 में 7.27 लाख पाकिस्तानियों ने विदेश नौकरी के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था, जबकि 2025 में नवंबर तक 6.87 लाख लोग यह प्रक्रिया पूरी कर चुके हैं। अब यह पलायन सिर्फ मजदूरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि डॉक्टर, इंजीनियर और रिसर्चर भी बड़ी संख्या में देश छोड़ रहे हैं। सबसे ज्यादा असर स्वास्थ्य क्षेत्र पर पड़ा है। आंकड़ों के मुताबिक, 2011 से 2024 के बीच नर्सों के पलायन में 2,144 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और यह सिलसिला 2025 में भी जारी है। शहबाज सरकार ने एयरपोर्ट पर बढ़ाई सख्ती हालात काबू में करने के लिए शहबाज शरीफ सरकार ने एयरपोर्ट पर सख्ती बढ़ाई है, लेकिन नतीजे संतोषजनक नहीं हैं। 2025 में 66,154 यात्रियों को एयरपोर्ट पर ही रोक दिया गया, जो पिछले साल के मुकाबले लगभग दोगुना है। इसके अलावा, कई पाकिस्तानियों को खाड़ी देशों से भीख मांगने और अवैध प्रवास के आरोप में वापस भेजा गया है। सोशल मीडिया पर ट्रोल हुए आसीम मुनीर इस बीच, सेना प्रमुख आसिम मुनीर के ब्रेन ड्रेन नहीं, ब्रेन गेन वाले बयान को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। एक यूजर ने तंज कसते हुए लिखा कि यह बयान 'मानसिक मरीज' के हिसाब से ब्रेन गेन है। वहीं, पीटीआई समर्थक साजिद सिकंदर अली ने कहा कि देश में ना इंडस्ट्री है, ना रिसर्च फंडिंग और ना ही नौकरियां, ऐसे में प्रतिभा को रोका नहीं जा सकता, सिर्फ अवसर देकर ही उन्हें देश में रखा जा सकता है। ऐसे में विशेषज्ञों का मानना है कि रोजगार की कमी, अभिव्यक्ति की आजादी का डर और राजनीतिक दमन पाकिस्तान को इस हालात तक ले आए हैं। आज स्थिति यह है कि पढ़ा-लिखा युवा अपने ही देश में भविष्य नहीं देख पा रहा, जो पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ी चिंता बन चुकी है।

तारिक रहमान बांग्लादेशी मतदाता बने, चुनाव में इस सीट से ठोकेंगे ताल

ढाका / नई दिल्ली : बीएनपी नेता तारिक रहमान ने दोबारा बांग्लादेश के मतदाता के तौर पर अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। वे अपने पैतृक निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। इस मामले में पूर्व चुनाव आयोग अधिकारी एसएम असदुज्जमां के अनुसार, कानून किसी भी योग्य नागरिक को कभी भी वोटर लिस्ट में शामिल होने की अनुमति देता है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान ने 17 साल से अधिक समय के आत्मनिर्वासन के बाद शनिवार को बांग्लादेश की

वोटर लिस्ट में अपना नाम दर्ज कराया और राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) बनवाने की औपचारिकताएं पूरी कीं। वह हाल ही में लंदन से बांग्लादेश लौटे हैं, जहां वे सितंबर 2008 से रह रहे थे। कड़ी सुरक्षा के बीच चुनाव आयोग कार्यालय पहुंचे 60 वर्षीय तारिक रहमान कड़ी सुरक्षा के बीच ढाका स्थित चुनाव आयोग (ईसी) कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने बायोमेट्रिक प्रक्रिया के तहत अपने फिंगरप्रिंट और आंखों की आइरिस स्कैन करवाई। अधिकारियों के मुताबिक, उन्होंने पहले ही ऑनलाइन आवेदन भर दिया था। चुनाव आयोग के राष्ट्रीय पहचान पंजीकरण विंग के महानिदेशक एएसएम हुमायूं कबीर ने बताया कि तारिक रहमान को 24 घंटे के भीतर उनका एनआईडी कार्ड मिल जाएगा। बीएनपी नेता की बेटी ने भी कराया पंजीकरण तारिक रहमान की बेटी जाइमा ने भी इसी दिन अपना एनआईडी पंजीकरण पूरा किया। इस दौरान चुनाव आयोग कार्यालय और आसपास के इलाकों में सेना, रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी), अंसार और पुलिस के जवान तैनात रहे। बता दें कि बांग्लादेश में 2008 में सैन्य समर्थित कार्यवाहक सरकार के दौरान फोटो और बायोमेट्रिक डाटा वाली नई वोटर लिस्ट लागू की गई थी। उस समय तारिक रहमान राजनीतिक कैदी थे और बाद में रिहा होकर लंदन चले गए थे। विदेश में रहने के कारण उनका नाम उस समय वोटर लिस्ट में शामिल नहीं हो पाया था। नई सूची लागू होने के बाद पुरानी वोटर लिस्ट रद्द कर दी गई थी। बांग्लादेश में 12 फरवरी से आम चुनाव बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनाव होने हैं। तारिक रहमान अपने पैतृक बोगुरा सदर (बोगुरा-6) सीट से चुनाव लड़ने वाले हैं।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच फिर युद्धविराम समझौता, हफ्तों तक चला खूनी संघर्ष

बैंकॉक। हफ्तों तक चले खूनी संघर्ष के बाद थाईलैंड और कंबोडिया ने एक बार फिर युद्धविराम समझौता किया है। भारतीय समयानुसार आज

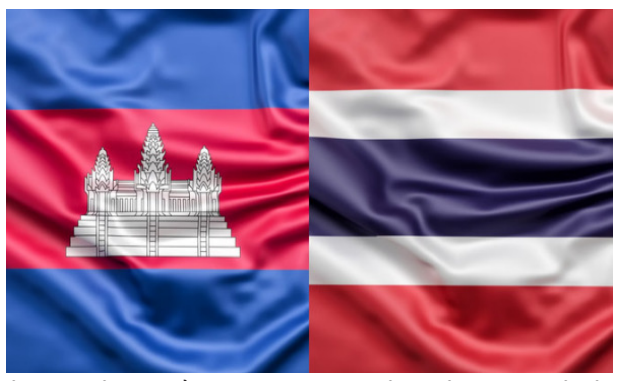

दोपहर 12 बजे यह समझौता लागू हुआ। थाईलैंड और कंबोडिया ने शनिवार को सीमा विवाद को लेकर कई हफ्तों से जारी संघर्ष को खत्म करने के लिए एक नया युद्धविराम समझौता किया। यह समझौता दोपहर 12 बजे (भारतीय समयानुसार) से लागू हो गया। इस समझौते के तहत दोनों देशों ने सैन्य गतिविधियों को रोकने और सैन्य उद्देश्यों के लिए हवाई क्षेत्र के उल्लंघन पर रोक लगाने पर सहमति जताई है। कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, अब तक केवल थाईलैंड ने हवाई हमले किए थे और शनिवार सुबह तक कंबोडिया के कुछ ठिकानों को निशाना बनाया गया था। समझौते में यह भी कहा गया कि अगर युद्धविराम 72 घंटे तक बना रहता है, तो थाईलैंड जुलाई में हुई झड़प के दौरान पकड़े गए 18 कंबोडियाई सैनिकों को वापस भेजेगा। इन सैनिकों की रिहाई कंबोडिया की एक बड़ी मांग रही है। समझौते पर हस्ताक्षर के कुछ घंटों बाद ही थाईलैंड के विदेश मंत्रालय ने कंबोडिया के सामने विरोध जताया। थाईलैंड ने आरोप लगाया कि कंबोडियाई सेना की ओर से बिछाई गई एंटी-पर्सनल लैंड माइन पर पैर रखने से एक थाई सैनिक स्थायी रूप से विकलांग हो गया। सीमा पर रक्षा मंत्रियों ने किए हस्ताक्षर यह समझौता कंबोडिया के रक्षा मंत्री टी सैहा और थाईलैंड के रक्षा मंत्री नत्ताफोन नार्खफनिट ने सीमा चौकी पर किया। इससे पहले तीन दिनों तक दोनों देशों के निचले स्तर के सैन्य अधिकारियों के बीच बातचीत हुई थी। समझौते में कहा गया है कि दोनों देश जुलाई में हुए पांच दिनों के संघर्ष के बाद हुए पहले संघर्षविराम और उससे जुड़े समझौतों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जुलाई का मलयेशिया की मध्यस्थता से संघर्षविराम हुआ था और इसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका अहम रही थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर दोनों देश नहीं मानते तो उनकी व्यापारिक सुविधाएं रोक दी जाएंगी। बाद में अक्तूबर में मलयेशिया में हुई एक क्षेत्रीय बैठक में इसे औपचारिक रूप दिया गया था, जिसमें ट्रंप भी शामिल हुए थे।

टकराव और संघर्ष के नाम रहा साल 2025, कैसे तीसरे विश्व युद्ध की आहट से सहम उठी थी पूरी दुनिया?

नई दिल्ली: साल 2025 दुनिया के लिए अशांत साबित हुआ। सीमा विवाद, पुराने दुश्मनों का आमना-सामना और आतंकवाद ने कई क्षेत्रों में हालात बिगाड़ दिए। इतना ही नहीं एक समय तो ऐसा भी आया जब पूरी दुनिया तीसरे विश्व युद्ध के खतरे से सहम उठी। थाईलैंड-कंबोडिया, इस्त्राइल-ईरान और भारत-पाकिस्तान तक संघर्षों ने आम लोगों की जिंदगी, वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डाला। आइए साल 2025 के इन बड़े संघर्षों पर एक नजर डालते हैं? दुनिया चारो तरफ से संघर्षों से घिरी हुई है। ऐसे में लेखक और एथिक्स प्रशिक्षक नंदितेश निलय के आलेख 'बड़ी ताकतों का टकराव' की कुछ लाइनें याद आ रही है। दुनियाभर में चल रहे संघर्ष को देखते हुए उन्होंने अपने इस लेख में कहा था कि कौन फलस्तीन को समझाए, कौन इस्त्राइल को रोके, कौन पुतिन को बताए कि युद्ध अनवरत नहीं चलते, कौन जेलेंस्की से यह पूछे कि आम जनता को युद्ध में लगातार झोंके रहना कौन-सी नैतिक राजनीति है? संयुक्त राष्ट्र मौन है

और देश सिर्फ हथियार खरीदने-बेचने में लगे हैं। हम बात जरूर साल 2025 में शुरू हुए संघर्षों और युद्धों की कर रहे, लेकिन पहले हमारे लिए ये समझना भी आवश्यक है कि आखिर इन संघर्षों की शुरूआत कैसे और क्यों हुई? हां ये अलग बात है कि अगर हम आज साल 2025 को एक शब्द में समझना चाहें तो वो शब्द होगा 'अशांत'। इसका कारण है कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में इस साल ऐसे संघर्ष देखने को मिले, जिन्होंने न सिर्फ वहां के लोगों की जिंदगी बदली, बल्कि पूरी दुनिया की राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा पर असर डाला। कहीं सीमा विवाद भड़का, कहीं पुराने दुश्मन आमने-सामने आ गए, तो कहीं आतंक और जवाबी कार्रवाई ने हालात बिगाड़ दिए। थाईलैंड-कंबोडिया से लेकर इस्त्राइल-ईरान और भारत-पाकिस्तान तक। आइए साल 2025 के इन बड़े और घातक संघर्षों पर एक नजर डालते हैं। इस साल पश्चिम एशिया की आग- इस्त्राइल-ईरान संघर्ष 2025 का सबसे बड़ा और खतरनाक संघर्ष इस्त्राइल और ईरान के बीच देखने को मिला। जब दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की आहट से सहम उठा। इस्त्राइल और ईरान के बीच लंबे समय से एक-दूसरे के विरोधी रहे हैं, लेकिन इस साल यह दुश्मनी सीधे युद्ध जैसे हालात में बदल गई। इस्त्राइल को आशंका थी कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसी डर के चलते इस्त्राइल ने ईरान के कुछ सैन्य और रणनीतिक ठिकानों पर हमला किया। इसके जवाब में ईरान ने मिसाइल और ड्रोन हमलों से पलटवार किया। क्या हुआ असर, ये भी समझिए? इस संघर्ष के चलते कई शहरों में डर और तबाही का माहौल बना, तेल की कीमतें अचानक बढ़ने लगीं और अमेरिका और अन्य देश तनाव कम कराने में जुट गए। हालांकि कुछ दिनों बाद लड़ाई थमी, लेकिन यह साफ हो गया कि मध्य पूर्व की स्थिति अब भी बेहद नाजुक है। भारत-पाकिस्तान; चार दिन का तनाव- परमाणु युद्ध का भी था खतरा इसी क्रम में एक और संघर्ष तब देखने को मिला, जब आर्तकियों का पनाहगाह पाकिस्तान फिर अपने नापाक मंसूबे को कायम करने के लिए आतंक के छाव में छुप गया। हालांकि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कोई नई बात नहीं है, लेकिन 2025 की शुरूआत में हालात बेहद गंभीर हो गए। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बड़े आतंकी हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत कड़ा रुख अपनाया। हमेशा की तरह भारत ने 'आतंक के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत दुश्मनों के छक्के छुड़ाए। भारत का कहना था कि आतंकियों को सीमा पार से समर्थन मिल रहा है। इसके बाद भारत ने आतंक से जुड़े ठिकानों पर कार्रवाई की। पाकिस्तान ने भी जवाबी कदम उठाए, जिससे दोनों देशों की सेनाएं हाई अलर्ट पर आ गईं। खतरनाक मोड़ पर था संघर्ष, कैसे? भारत और पाकिस्तान के बीच का संघर्ष देखते ही देखते एक खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया था। चार दिनों तक सीमा पर तनाव को देखते हुए दुनियाभर की निगाहें भारत और पाकिस्तान पर थी। इसका बड़ा कारण था कि दोनों देश परमाणु शक्ति संपन्न हैं, सीमा पर आम नागरिकों में डर फैल गया और हवाई और मिसाइल सिस्टम सक्रिय कर दिए गए। चार दिन के तनाव के बाद बातचीत और अंतरराष्ट्रीय दबाव से हालात संभले, लेकिन यह घटना दुनिया को चेतावनी दे गई कि दक्षिण एशिया में शांति कितनी नाजुक है।

कंबोडिया-थाईलैंड के बीच नया शांति समझौता, जानें इसमें ट्रंप की कितनी भूमिका

पैलिन : कंबोडिया और थाईलैंड ने जारी सीमा विवाद के बीच शनिवार दोपहर 12 बजे से तुरंत सीजफायर लागू किया है। सीमा पर हुए संघर्षों में 100 से अधिक लोग मारे गए और 5 लाख से ज्यादा विस्थापित हुए। समझौते में हथियारों का उपयोग रोकने, नागरिक सुरक्षा और मानवीय मदद बढ़ाने का वादा किया गया है। कोर्बडिया और थाईलैंड के बीच बीते कुछ दिनों से जारी संघर्ष के बीच अब एक अच्छी खबर सामने आ रही है। जहां दोनों देशों ने शनिवार से दोपहर 12 बजे से तुरंत प्रभावी सीजफायर (युद्धविराम) लागू करने का फैसला किया है। यह कदम कंबोडिया और थाईलैंड की साझा सीमा पर हाल ही में हुए

हिंसक संघर्षों को कम करने और शांति बहाल करने के लिए उठाया गया है। एशिया का भूले-बिसरे इस संघर्ष में 100 से अधिक लोग मारे गए और करीब पांच लाख लोग विस्थापित हुए। दोनों देशों ने यह निर्णय तीसरी विशेष सीमा समिति (जीबीसी) की बैठक के बाद लिया, जो प्रुम-बन पाक कार्ड अंतरराष्ट्रीय सीमा चौकी पर हुई। बैठक में दोनों पक्षों ने शांति और सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि विवादों का समाधान विश्वसनीयता, ईमानदारी, निष्पक्षता और आपसी सम्मान के माहौल में होना चाहिए। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र चार्टर, आसियान चार्टर और दक्षिण-पूर्व एशिया में मित्रता और सहयोग संधि के सिद्धांतों का पालन करने पर भी जोर दिया। टंप ने क्या किया था दावा? बता दें कि पिछले दिनों थाईलैंड और कंबोडिया के बीच बढ़ते सीमा विवाद को देखते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते दिनों बड़ा दावा किया था। उन्होंने कहा था कि वह एक फोन कॉल करके थाईलैंड और कंबोडिया के बीच जारी संघर्ष को रोक देंगे। ट्रंप ने इस बात पर जोर दिया था कि वह ताकत के दम पर शांति स्थापित कर रहे हैं। सीजफायर के तहत इन बातों पर सहमति बैठक में यह भी याद दिलाया गया कि 22 दिसंबर को कुआलालंपुर में हुई विशेष आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक में भी शांति और बल का उपयोग न करने का आग्रह किया गया था। सीजफायर के तहत दोनों देशों ने सहमति दी कि सभी प्रकार के हथियारों का इस्तेमाल रोकना होगा।

रूस का कीव पर मिसाइल और ड्रोन हमला, शहरों की बिजली गुल; ट्रंप-जेलेंस्की बैठक से पहले हालात हुए भयावह

कीव : यूक्रेन की राजधानी कीव पर 27 दिसंबर को रूस ने बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमला किया। किन्ज़ाल हाइपरसोनिक, इस्कैंडर बैलिस्टिक और कालिब्र क्रूज मिसाइलें दागी गईं, जिससे कई विस्फोट और ब्रावरी शहर में बिजली गुल हो गई। रूस और यूक्रेन के बीच लगभग चार साल से जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और घातक रूप लेता हुआ दिख रहा है। जहां एक बार फिर यूक्रेन की राजधानी कीव पर 27 दिसंबर की रात को बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमला हुआ। शहर और आसपास के इलाकों में कई विस्फोटों की आवाज सुनी गई। यह हमला उस समय हुआ जब अमेरिका के राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के बीच रविवार को फ्लोरिडा में होने वाली शांति बैठक की तैयारी चल रही थी। ऐसे में ये कहना गलत नहीं होगा कि चार साल से जारी ये संघर्ष अभी भी दूर-दूर तक थमता हुआ नजर नहीं आ रहा है। बजाय इसके ये संघर्ष और भयावह रूप लेता हुआ दिख रहा है। हां ये अलग बात है कि अमेरिका समेत कई देश इस संघर्ष को थामने की पुरजोर कोशिश कर रहे है। अब समझिए कैसे हुआ हमला? कीव पर हुए हमले की बात करें तो मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रूस ने किंझाल हाइपरसोनिक मिसाइल, चार इस्कैंडर बैलिस्टिक मिसाइल और कई कालिब्र क्रूज मिसाइलें कीव पर दागीं। इसके अलावा कई ड्रोन (यूएवी) शहर और आसपास के इलाकों में देखे गए। वहीं एक बार फिर रूस के हमले में कीव से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित ब्रावरी नामक शहर में बिजली गायब हो गई। क्या है कीव में स्थिति, ये भी समझिए कीव के महापौर विटाली क्लिचको ने लोगों को शेल्टर में रहने की सलाह दी। यूक्रेन की एयर फोर्स ने भी नागरिकों को सतर्क रहने की चेतावनी जारी की। इससे पहले जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा था कि ट्रंप के साथ बैठक से शांति समझौते की दिशा में कदम बढ़ सकते हैं। यूक्रेनी और अमेरिकी अधिकारियों द्वारा तैयार किया गया 20-बिंदुओं का शांति प्लान लगभग 90% तैयार है। बैठक में यूक्रेन की सुरक्षा और सहयोगियों की भूमिका पर खास जोर होगा। दूसरी ओर, ट्रंप ने कहा कि कोई भी शांति समझौता उनकी मंजूरी के बिना लागू नहीं होगा। अब समझिए रूस का क्या है रुख? वहीं दूसरी ओर इस शांति वार्ता को लेकर रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसके बलों ने दक्षिणी यूक्रेन में मोर्चों पर आगे बढ़ना जारी रखा और जारोरिज्जिया क्षेत्र के कोसोव्त्सेवो कस्बे पर कब्जा किया। रूस ने कहा कि 20 से 26 दिसंबर के बीच उसने यूक्रेन में एक भारी और पांच समूह हमले किए। इन हमलों में किंझाल हाइपरसोनिक मिसाइलें भी इस्तेमाल की गईं। दूसरी ओर रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि ये हमले यूक्रेन द्वारा रूस में नागरिक ठिकानों पर किए गए हमलों के जवाब में किए गए। हमलों का उद्देश्य यूक्रेन की रक्षा उद्योग, ऊर्जा सुविधाएं, परिवहन, हवाई अड्डे, बंदरगाह और सैन्य उपकरण भंडार को निशाना बनाना था।

न्यूजीलैंड के पीएम ने भारत के साथ व्यापार समझौते को बताया ऐतिहासिक, उनके ही विदेश मंत्री कर चुके आलोचना

वेलिंगटन: भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते हो गया है। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री इस समझौते को ऐतिहासिक बता रहे हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के ही विदेश मंत्री ने इस समझौते की आलोचना की है और इसे जल्दबाजी में किया गया समझौता करार दिया है। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने भारत के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते की तारीफ की है और इसे अपनी सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धि और भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। हालांकि उनकी ही सरकार के विदेश मंत्री ने इस व्यापार समझौते पर कड़ी आपत्ति जताई थी। लक्सन ने व्यापार समझौते की तारीफ की लक्सन ने कहा, हमने अपने पहले कार्यकाल में भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता करने का वादा किया था और हमने उसे पूरा किया। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों वाला बाजार उपलब्ध होने से ज्यादा नौकरियां, अच्छी कमाई और बेहतर निर्यात की राह खुलेगी। यह उनकी सरकार के व्यापक एजेंडे का हिस्सा है।

सीरिया के मस्जिद आतंकी हमले की यूएन प्रमुख ने की कड़ी निंदा, कहा- ऐसे हमले किसी हालत में स्वीकार्य नहीं

जिनेवा : सीरिया के होम्स शहर में नमाज के दौरान मस्जिद में हुए आतंकी विस्फोट में आठ लोगों की मौत और 18 घायल हो गए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने हमले की कड़ी निंदा की और आम नागरिकों व इबादतगाहों पर हमलों को अस्वीकार्य बताया। सीरिया में आम नागरिकों और इबादतगाहों को निशाना बनाए जाने की एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। मध्य सीरिया के होम्स शहर में शुक्रवार की नमाज के दौरान एक मस्जिद में हुए आतंकी विस्फोट में कई लोगों की जान चली गई और दर्जनों घायल हो गए।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।